www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 139 || अम्बेडकरनगर
रविवार
09 अगस्त 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
मौसम
सूर्योदयः 05:34
सूर्यास्तः 06:49
अधिकतमः 34°00
न्यूनतमः 28°00

पेज 07

विशेष समाचार
पंजाब की सियासी बिसात पर ... >> पेज 04
युवक पर कुल्हाड़ी से 10 से ... >> पेज 06
विवाद के बाद कंगना के जेन-जी...

अगले 35 साल आप जो करेंगे, वह विकसित भारत का आधार होगा

सिर्फ सवाल मत पूछो जवाब खोजने का साहस भी रखो : मोदी

समारोह

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए स्नातक छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आईआईटी से मिली डिग्री केवल शैक्षणिक उपलब्धि नहीं है, बल्कि देश और समाज के लिए कुछ नया करने की जिम्मेदारी भी देती है। प्रधानमंत्री ने समारोह के भावनात्मक माहौल का उल्लेख करते हुए कोविड महामारी के दौरान अपनी वर्चुअल उपस्थिति को याद किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

“प्रधानमंत्री ने स्नातक छात्रों और उनके परिवारों को बधाई देते हुए पदक विजेताओं की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि छात्रों की यह उपलब्धि केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता नहीं है, बल्कि उनके परिवार, शिक्षकों और संस्थान के योगदान का भी परिणाम है। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे आईआईटी से निकलने के बाद अपने ज्ञान और प्रतिभा का इस्तेमाल देश के विकास के लिए करें। प्रधानमंत्री ने कहा कि छात्र यहां से केवल अच्छी नौकरी पाने या करियर बनाने का सपना लेकर नहीं निकल रहे हैं, बल्कि देश के लिए कुछ बड़ा करने की जिम्मेदारी भी उनके साथ है।”

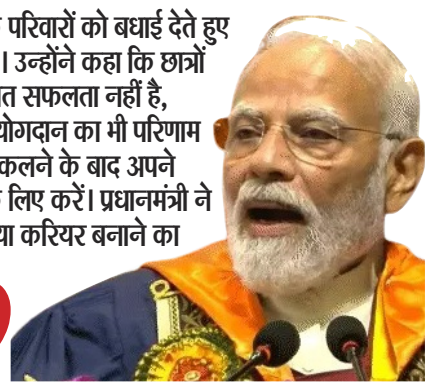

तेजी से बदल रही दुनिया, लगातार सीखना जरूरी

प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है। तकनीकी प्रगति के कारण वैश्विक भू-राजनीतिक और रणनीतिक परिस्थितियों में भी तेजी से बदलाव आ रहा है। ऐसे समय में युवाओं के सामने चुनौतियां भी हैं और नए अवसर भी। उन्होंने छात्रों को सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि “जो निरंतर सीखता रहता है, वही विजयी होगा।” प्रधानमंत्री ने कहा कि तकनीक और ज्ञान के क्षेत्र में लगातार बदलाव हो रहा है।

आईआईटी की डिग्री समस्या समाधान की क्षमता का प्रमाण

प्रधानमंत्री ने आईआईटी की डिग्री के महत्व को केवल सीजीपीए या नौकरी के ऑफर तक सीमित न रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आईआईटी से मिली शिक्षा छात्रों को जटिल समस्याओं को समझने और उनका समाधान खोजने की क्षमता प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि जीवन में आने वाली कठिनाइयों को भी उसी तरह छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर हल किया जा सकता है, जैसे छात्र प्रयोगशाला में जटिल समस्याओं और सिमुलेशन को हल करते हैं।

पीएम बोले- मैं बाबा बागेश्वर नहीं, स्पीच की 6 बड़ी बातें

1. पीएम ने छात्रों की मनोदशा पर हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, 'मैं बाबा बागेश्वर नहीं हूं, लेकिन कुछ तो आपके मन में चलता होगा।' इसके बाद सभी लोग हंसने लगे।
2. हर स्टूडेंट आने वाले कल के लिए कोई न कोई सपना देख रहा होगा। कोई अपनी पहली सैलरी का इंतजार कर रहा होगा, कोई स्टार्टअप शुरू करने का सपना देख रहा होगा, तो कोई नई प्रतियोगिता की तैयारी कर रहा होगा। सभी के अपने सपने हैं।
3. छात्र ऐसे समय में संस्थान से निकल रहे हैं, जब दुनिया तेजी से बदल रही है। शिक्षा और वैश्विक शक्ति संतुलन में लगातार बदलाव हो रहा है। टेक्नोलॉजी की रफ्तार इतनी तेज है कि यह कहना मुश्किल है कि अगले 20-30 साल में दुनिया कैसी होगी।
4. जब भी बदलाव आता है, उसके साथ चुनौतियां और अवसर दोनों आते हैं। इंडस्ट्री और प्रोफेशन का स्वरूप बदलता रहेगा। इसलिए खुद को तैयार रखें, हर चुनौती का सामना करें।
5. कैंपस लाइफ और असल जिंदगी में बहुत अंतर होता है। IIT में सिलेबस होता है और पता होता है कि कौन-सी परीक्षा देनी है। कौन-सा कोर्स पढ़ना है। उधर, असली जिंदगी में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस होता है। वहां यह भी खुद पहचानना पड़ता है कि असली सवाल क्या है।
6. हर पीढ़ी के सामने अलग चुनौतियां और दायित्व होते हैं। देश ने गुलामी का दौर देखा। उस समय की पीढ़ी के सामने आजादी हासिल करना सबसे बड़ा लक्ष्य था। इसके लिए लोगों ने लंबा संघर्ष किया और त्याग व बलिदान दिए। आज की पीढ़ी की चुनौतियां और जिम्मेदारियां अलग हैं। अगले 35 साल में आप जो करेंगे, वह देश की कौन-सी जरूरत पूरी करेगा, यह आपको तय करना है।

दिल्ली में अब तक 127 सेमी बारिश,15 साल का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में बारिश और लैंडस्लाइड के कारण शनिवार को अमरनाथ यात्रा फिर से रोक दी गई। प्रशासन के मुताबिक, पहलगाम और बालटाल दोनों रूट पर मरम्मत का काम चलेगा। इसलिए यात्रा को 9 अगस्त से अगले आदेश तक रोक दिया गया है। मौसम विभाग (IMD) ने आज राजधानी के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। अगस्त के पहले सप्ताह में दिल्ली में अब तक 127 मिमी बारिश हो चुकी है, जो 2011 के बाद सबसे ज्यादा बारिश है। देवली इलाके में शनिवार को तेज बारिश से पार्किंग की दीवार गिर गई। इसके मलबे में आठ गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। यूपी में 25 दिनों से जारी भारी बारिश से नदियां उफान पर हैं। काशी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से घाट डूब गए हैं और 84 घाटों का संपर्क टूट गया है। 50-60 छोटे मंदिरों में भी पानी घुस गया है।

आरएसएस की विचारधारा नहीं बदली : शशि थरूर

उनका मकसद देश को हिंदू राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ाना

तमसा संकेत, एजेंसी

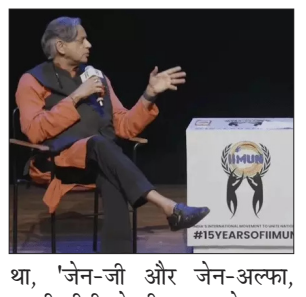

मुंबई। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि RSS का मुख्य मकसद भारत को हिंदू राष्ट्र और हिंदुत्व के रूप में आगे बढ़ाना है और यह मूल विचारधारा आज भी नहीं बदली है। थरूर ने ये बात मुंबई में शुक्रवार शाम को इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस (IIMUN) के कार्यक्रम में कही। उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के इसी कार्यक्रम में दिए बयानों को अच्छा संकेत माना है। उन्होंने कहा, 'मैं दस साल से संघ प्रमुख के बयानों को देख रहा हूं। अब उनमें बदलाव दिखता है।' भागवत ने 6 जुलाई को Gen-Z और Gen-अल्फा से 1 घंटे तक बातचीत की थी। भागवत ने कहा था, 'जेन-जी और जेन-अल्फा, पुरानी पीढ़ी से भी ज्यादा देशभक्त और ईमानदार हैं। हमें उनकी बात समझनी चाहिए, उनसे बात नहीं हुई तभी तो जंतर-मंतर पर आंदोलन हुआ।' राहुल गांधी ने CJP के आंदोलन से पहले 17 जून को राजस्थान के कोटा से 'छात्रों की गूंज' अभियान शुरू किया था, लेकिन इसे व्यापक जनसमर्थन नहीं मिला। इसके बाद यही समर्थन CJP के छात्र आंदोलन में दिखा।

जेपीएससी परीक्षा दोबारा कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल

धांधली की जांच रिटायर्ड जजों से कराने की मांग

आंदोलन

तमसा संकेत, एजेंसी

रांची। झारखंड में JPSC-JSSC परीक्षा में धांधली को लेकर छात्रों का आंदोलन जारी है। छात्रों और सरकार के प्रतिनिधिमंडल के बीच शनिवार को दूसरे राउंड की बातचीत हुई, लेकिन यह भी बेनतीजा रही। यह बैठक करीब एक घंटे तक चली। इससे पहले शुक्रवार रात को भी सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने छात्रों से बातचीत की थी, हालांकि उस बैठक से भी कोई नतीजा नहीं निकला था। JPSC-JSSC रद्द करने की मांग को लेकर 6 छात्र अनशन पर हैं। शनिवार सुबह ABVP कार्यकर्ता CM आवास का घेराव करने निकले, लेकिन पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया। छात्रों ने 10 अगस्त को विधानसभा घेरने का ऐलान किया है। इधर, JPSC-JSSC परीक्षा में गड़बड़ी का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। वकील सत्यम सिंह के मुताबिक, यह याचिका राजनीतिक नेता हरिशरण देवगन ने दायर की है। उन्होंने अपनी याचिका में चार मांगें पूरी करने की अपील की है।

छात्र सोमवार को झारखंड विधानसभा घेरेंगे

फास्ट न्यूज

सरकार ने अरुणाचल की 27 जगह मैप में शामिल कीं

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को अरुणाचल प्रदेश की 27 जगहों और उनकी भौगोलिक विशेषताओं को आधिकारिक नक्शे पर दर्ज किया। यह कदम चीन की ओर से राज्य की जगहों के नाम बदलने की कोशिशों के बीच उठाया गया है। गृह मंत्रालय के मुताबिक, यह काम अरुणाचल प्रदेश सरकार से सलाह लेकर किया गया है।

हरियाणा बीजेपी अध्यक्ष का दावा-सीजेपी प्रोटेस्ट में आतंकी भी शामिल

हांसी। हरियाणा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि जंतर-मंतर पर हुए छात्रों के आंदोलन में अराजकता और आतंकवादी दिखे। उन्होंने यह भी दावा किया कि उस आंदोलन में एक महिला पुलिस कॉन्स्टेबल की मौत हुई और एक पुलिस अधिकारी की आंख चली गई। हालांकि, दिल्ली पुलिस महिला कॉन्स्टेबल की मौत के दावे को 24 जुलाई को ही गलत बता चुकी है। विदेश मंत्रालय भी कह चुका है कि उनके पास आंदोलन में विदेशी फंडिंग को लेकर कोई जानकारी नहीं है।

बेअंत सिंह के हत्यारे के लिए मान ने मांगी पैरोल

पठानकोट। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बेअंत सिंह हत्याकांड में तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे जगतार सिंह हवारा को मानवीय आधार पर 10 दिनों की पैरोल देने के लिए राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री ने पत्र में हवारा की वयोवृद्ध माता की बिगड़ती सेहत का हवाला देते हुए जल्द से जल्द पैरोल मंजूर करने की जोरदार सिफारिश की है।

यात्रियों से भरी बस पलटी, 7 की मौत

50 मीटर नीचे दूसरी सड़क पर गिरी, अंदर फंसे एक दूसरे पर गिरे लोग

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

भरमौर। हिमाचल प्रदेश के चंबा में शनिवार सुबह एक प्राइवेट बस पलट गई। जिससे 7 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। हादसे में 11 यात्री घायल हो गए। जिन्हें तीसा अस्पताल में प्राथमिक उपचार देने के बाद चंबा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। बैरागढ़ से कुछ ही दूरी पर 'शर्मा कोच' बस चालुंज मोड़ के पास बेकाबू होकर पलटी, फिर 50 मीटर नीचे दूसरी सड़क पर जा गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार- बस पलटते ही मौके पर चीख पुकार मच गई।

- सड़क पर उलटी गिरी बस अंदर फंसे लोग। जिन्हें बाद में बाहर निकाला गया।
- बस पलटने के बाद मौके पर जुटी भीड़। बस के अंदर फंस लोगों को बाहर निकाला।

हजार में से सिर्फ 12 युवाओं को परमानेंट नौकरी, सिस्टम युवाओं को चक्रव्यूह में फंसा रहा

रील 21वीं सदी का नशा है : राहुल

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रयागराज में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को 20 मिनट तक संबोधित किया। राहुल के साथ प्रियंका गांधी की बेटी मिराया भी रहीं। राहुल ने कहा- आपसे कहा जाता है कि जितनी रील देखनी है और जितनी रील बनाना चाहते हैं, बनाओ। यह रील 21वीं सदी का नशा है। 1 हजार युवाओं में से केवल 12 को ही स्थायी नौकरी मिलती है। युवाओं का डेटा छीनकर बड़ी-बड़ी कंपनियों को दिया जाता है।

>> (शेष पेज 06 पर)

राहुल से छात्रा ने कहा- पुलिस ने एके-47 चलाई

राहुल ने बिहार की छात्रा से बात की। उसने बताया- बिहार पुलिस ने पटना में प्रदर्शनकारियों को पीटा। 23 जुलाई को हमने एक और प्रोटेस्ट रखा। लेकिन उससे पहले पुलिस और RAF मौजूद था। फिर अगले दिन सिवान में पुलिस ने एके-47 चलाई। एक छात्र की मौत हो गई। 25 जुलाई को आप जब धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का जश्न मना रहे थे। तब हम बिहार में डरे बैठे थे।

छात्र बोला- दो ही ऑप्शन, चाय बेचूं या सुसाइड करूं

राहुल से एक छात्र बोला- मेरे पास दो ऑप्शन हैं, या तो चाय की दुकान खोलूंगा या सुसाइड करूंगा। इस पर राहुल ने कहा कि सुसाइड कोई समाधान नहीं होता भाई।

उन्होंने छात्र से पूछा- क्या आपकी फैमिली ने कर्ज लिया? इस पर छात्र बोला- मैंने जमीन बेचकर बीएड किया।

अब नौकरी की तलाश में हूं। मैं सम्राट चौधरी के गुंडे से नहीं डरूंगा।

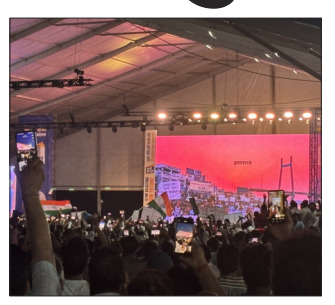

राहुल बोले-स्टूडेंट के दिल में मोहब्बत होनी चाहिए

मैंने पिछली स्लाइड में मोदी, भागवत, अडाणी की फोटो दिखाई, लेकिन आपको सिस्टम को खत्म टाटा बॉय बॉय करना है। ये सब आपको प्यार के साथ करना है। मैं आपके साथ खड़ा हूं और आगे भी रहूंगा।

राहुल बोले- तो ये थी बिहार और यूपी की आवाज। अब मैंने आपसे कहा कि आपने अंधेरे में टार्च जला दी। आप सब बात समझ गए। स्टूडेंट के दिल में नफरत नहीं मोहब्बत होनी चाहिए।

अंतिम सफर : तीनों भाइयों ने कंधा दिया, भीड़ बेकाबू हुई तो पुलिस ने बंदूक की बट मारी, मां शाइस्ता नहीं आईं

अतीक की कब्र के बगल में बेटा दफन

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज, झांसी लखनऊ। अतीक अहमद के 21 साल के बेटे अबान को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया है। शनिवार शाम 7 बजे उसे पिता अतीक की कब्र के बगल में दफनाया गया। तीनों भाइयों अली, उमर और अहजम ने अबान को कंधा दिया। जनाजे में शामिल होने के लिए 5-6 हजार लोग पहुंचे। सुरक्षा के लिए कब्रिस्तान के आसपास 1,000 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात रहे। अबान का शव लेकर उसका भाई अहजम रोते हुए कब्रिस्तान पहुंचा। भीड़ भी उसके पीछे अंदर घुसने लगी। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो भीड़ बेकाबू हो गई और बैरिकेडिंग तोड़ दी। इस दौरान एक पुलिसकर्मी ने 2-3 लोगों को बंदूक की बट मारी। इसके बाद भी कुछ युवक अंदर जाने पर अड़े रहे, तो पुलिसवालों ने थप्पड़ मारकर उन्हें हटाया। भीड़ तितर-बितर हुई तो पुलिसवालों ने खदेड़ दिया। मां शाइस्ता परवीन बेटे के जनाजे में शामिल नहीं हुई। वह पति अतीक और बेटे असद के जनाजे में भी नहीं पहुंची थी। शाइस्ता 2023 से फरार है। अबान की गुरुवार को सड़क हादसे में मौत हुई थी। अबान को जिस कसारी-मसारी कब्रिस्तान में दफनाया गया। यहीं उसके दादा फिरोज अहमद, चाचा अशरफ और भाई असद की भी कब्रें हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

कड़ी सुरक्षा में अली-उमर को प्रयागराज लेकर पहुंची पुलिस

शनिवार सुबह साढ़े 9 बजे अली को झांसी जेल से 30 पुलिसकर्मी 400 किमी दूर प्रयागराज के लिए लेकर रवाना हुए थे। उसका चेहरा नजर न आए, इसलिए पुलिस ने वैन पर पर्दे डाल दिए थे। उमर को भी इसी तरह सुरक्षा के बीच लखनऊ पुलिस साढ़े 12 बजे लेकर निकली। उमर शाम साढ़े 4 बजे पहुंचा और अली साढ़े 5 बजे प्रयागराज पहुंचा। अबान की गुरुवार सुबह झांसी में सड़क हादसे में मौत हुई थी। वह प्रयागराज से झांसी जेल में बंद भाई अली से मिलने जा रहा था। क्रेटा कार में उसके 4 और दोस्त थे। सुबह 10:30 बजे हाईवे पर जानवर को बचाने के चक्कर में कार डिवाइडर से टकरा गई।

- अतीक की बेटे उमर, अली और अहजम एक-दूसरे के कंधे पर हाथ रखकर साथ चलते नजर आए।

अमरनाथ यात्रा 20 दिन पहले रोकी गई

बारिश और लैंडस्लाइड से रास्ते खराब होने के कारण फैसला

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। बाबा अमरनाथ की यात्रा तय समय से 20 दिन पहले रोक दी गई है। लगातार बारिश और लैंडस्लाइड के कारण रास्ते खराब हो जाने के कारण यह फैसला लिया गया। अब जो जत्थे यात्रा पर हैं, उन्हीं की यात्रा पूरी कराई जाएगी। नए जत्थे नहीं भेजे जाएंगे। अब तक 4.8 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पवित्र गुफा के दर्शन कर चुके हैं। डिविजनल कमिश्नर कश्मीर अंशुल गर्ग ने बताया कि IMD ने अगले कुछ दिनों में खराब मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 9 अगस्त से दोनों रूट पर यात्रा रोकने का फैसला किया गया है। यात्रा भले ही 9 अगस्त से श्रद्धालुओं के लिए बंद हो जाएगी, लेकिन पारंपरिक छड़ी मुबारक कार्यक्रम के साथ इसका धार्मिक समापन होगा। पवित्र छड़ी 28 अगस्त को पारंपरिक पहलगाम मार्ग से अमरनाथ गुफा तक जाएगी और इसी के साथ अमरनाथ यात्रा-2026 का औपचारिक समापन होगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

70 साल तक बेबस रही शहीद की धरती

फिर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिटा दिया तीन पीढ़ियों का दर्द

- शहीद ठाकुर रोशन सिंह की जन्मभूमि में खन्नौत नदी पर बना पक्का पुल तो छलक पड़े लोगों के आंसू
- योगी सरकार ने पुल निर्मित कर मिटाई शहीद ठाकुर रोशन सिंह के गांव में तीन पीढ़ियों की तनहाई
- सीएम योगी ने दिया शहादत को सम्मान तो उमड़ा भावनाओं का सैलाब, भीगी आंखों से दिया सीएम को धन्यवाद

तमसा संकेत, संवाददाता

शाहजहांपुर। देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते फांसी का फंदा चूमने वाले अमर शहीद क्रांतिकारी ठाकुर रोशन सिंह की जन्मभूमि आजाद भारत में भी दशकों तक विकास की मुख्यधारा से कटे रहने का दर्द सहती रही। जिस गांव की मिट्टी ने देश को ऐसा वीर सपूत दिया, उसी गांव की तीन पीढ़ियां हर साल बारिश के मौसम में दुनिया से कट जाने की मजबूरी झेलती रहीं। सरकारें बदलती रहीं, लेकिन उनकी यह पीड़ा बनी रही। आखिरकार, उनका यह दर्द महसूस किया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने। उत्तर प्रदेश में सरकार बनने पर जैसे ही यह मामला सीएम योगी के संज्ञान में आया, उन्होंने खन्नौत नदी पर पीपे के बजाय पक्के पुल का निर्माण कराया।इतना ही नहीं,

पूरे इलाके की लाइफलाइन है खन्नौत पुल

खन्नौत नदी पर बना पक्का पुल आज नवादा दरोवस्त और आसपास के गांवों के लिए नई जिंदगी बन चुका है। अब एम्बुलेंस समय पर पहुंच रही है, छात्र आसानी से स्कूल और कॉलेज जा रहे हैं और किसानों की उपज बाजारों तक पहुंचने लगी है। गांव में डिग्री कॉलेज और शहीद के घर को स्मारक के रूप में विकसित किए जाने से नई पीढ़ी को भी उनके बलिदान से प्रेरणा मिल रही है। क्रांतिकारी ठाकुर रोशन सिंह की जन्मभूमि की यह कहानी सिर्फ एक पुल बनने की नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक सम्मान की है, जिसका इंतजार गांव की तीन पीढ़ियां करती रहीं।

सीएम योगी के फैसले से बदली गांव की तस्वीर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश की बागडोर संभालने के कुछ समय बाद ही नवादा गांव के लोग उनसे मिले। इन लोगों ने मुख्यमंत्री को गांव की पीड़ा से अवगत कराते हुए खन्नौत नदी पर पीपे का पुल बनवाने का अनुरोध किया। अमर शहीद के गांव की उपेक्षा से द्रवित सीएम ने 25 फरवरी 2018 को शाहजहांपुर में विकास परियोजनाओं के साथ खन्नौत नदी पर पक्के पुल, सड़कों व डिग्री कॉलेज जैसी परियोजनाओं को मंजूरी दी। पक्का पुल बनने के बाद 30 दिसंबर 2018 को मुख्यमंत्री स्वयं नवादा गांव में ठाकुर रोशन सिंह के पैतृक घर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने शहीद की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवार के बुजुर्गों का सम्मान किया।

काकोरी कांड से भी जुड़ा नाम

दिसंबर 1924 में एचआरए ने संगठन के लिए धन जुटाने के उद्देश्य से पीलीभीत की बिसलपुर तहसील के बमरौली गांव में कार्रवाई की। इस दौरान हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई। ठाकुर रोशन सिंह पर हत्या का मामला दर्ज किया गया, लेकिन वह अंग्रेजों के हाथ नहीं आए। बाद में 1925 के काकोरी कांड के बाद ब्रिटिश सरकार ने ठाकुर रोशन सिंह को भी गिरफ्तार कर मुकदमे में शामिल किया। भले ही वह काकोरी ट्रेन लूट की घटना में प्रत्यक्ष रूप से मौजूद नहीं थे, लेकिन संगठन से जुड़े होने के कारण उन्हें भी पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां व राजेंद्र नाथ लाहिड़ी के साथ दोषी ठहराया गया।

भूमि संबंधी मामलों में अनियमितता की उच्चस्तरीय जांच की मांग

संतकबीर नगर में भूमि संबंधी मामलों में गलत रिपोर्ट लगाने का आरोप लगाया

तमसा संकेत, एजेंसी

संतकबीर नगर। संतकबीर नगर के खलीलाबाद तहसील क्षेत्र के सरैया गांव के ग्रामीणों ने तहसील प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शनिवार को ग्रामीणों ने अपर जिलाधिकारी (एडीएम) को शिकायती पत्र सौंपकर भूमि संबंधी प्रकरणों में अनियमितता और भ्रष्टाचार की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। ग्रामीण किसानों का आरोप है कि भूमि संबंधी मामलों में रिपोर्ट लगाने, अभिलेखीय कार्यवाही और अन्य प्रकरणों में नियमों की अनदेखी की जा रही है। शिकायती पत्र में कई विशिष्ट मामलों का उल्लेख किया गया है, जिसमें एक प्रकरण में रिपोर्ट लगाने के लिए पचास हजार रुपये मांगने का आरोप भी शामिल है। ग्रामीणों ने अपर जिलाधिकारी से इस पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराने की अपील की है। उन्होंने दोषियों के

खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और प्रभावित किसानों को न्याय दिलाने की मांग की है। शिकायत पत्र सौंपते समय सुरेंद्र सिंह, विश्वनाथ, श्रवण, दयाराम चौधरी, सतिराम चौधरी, राजेंद्र सिंह, प्रभु नाथ चौधरी, कैलाश सिंह, बृजेश कुमार मिश्रा, राजपाल और संजय कुमार सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

फास्ट न्यूज

जिला पंचायत प्रत्याशी को फोन पर धमकी

सुलतानपुर। सुल्तानपुर के धम्मौर थाना क्षेत्र में जिला पंचायत सदस्य पद के प्रत्याशी वैभव यादव को फोन पर जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। आरोप है कि अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और वार्ड-35 से चुनाव लड़ने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। वैभव यादव ने पुलिस को बताया कि 31 जुलाई की रात करीब 11:38 बजे उनके मोबाइल पर अज्ञात नंबर से कॉल आया था।

सपा नेताओं ने किया 'गड्ढा पूजन'

आगरा। आगरा में सपाइयों ने जर्जर सड़कों को लेकर अनूठे अंदाज में प्रदर्शन किया। गड्ढे पर माला पहनाई, आरती उतारकर उसका पूजन किया। सपा नेताओं ने कहा कि आगरा अब स्मार्ट सिटी नहीं नरक सिटी बन चुका है। शुक्रवार रात लोहामंडी मार्ग पर आलमगंज स्थित जलकल विभाग के पास समाजवादी पार्टी के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी विनय अग्रवाल, दक्षिण विधानसभा अध्यक्ष सतीश चाहर और पूर्व पार्षद राजपाल यादव पहुंचे। नेताओं ने सड़क पर बने गड्ढे को माला पहनाकर उसकी आरती उतारी।

कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस अलर्ट

मुरादाबाद। सावन के दूसरे सोमवार और शिवतेरस को देखते हुए मुरादाबाद पुलिस ने कांवड़ यात्रा की सुरक्षा बढ़ा दी है। कांवड़ मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल और निगरानी की व्यवस्था की गई है। पुलिस लाइन में हुई बैठक में डीआईजी मुनिराज और एसएसपी सतपाल अंतिल ने अधिकारियों से सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही न बरतने को कहा।

महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के प्रति किया जागरूक, "हर घर तिरंगा" अभियान चलेगा

उन्नाव में बहू-बेटी सम्मेलन

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के दही थाना क्षेत्र के सराय कटिहार गांव में शनिवार दोपहर को प्राथमिक विद्यालय और ग्राम सचिवालय में बहू-बेटी सम्मेलन एवं चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा परिवारों में आपसी सौहार्द बढ़ाना था। यह कार्यक्रम वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह के निर्देशन में थाना प्रभारी दही ज्ञानेंद्र सिंह और महिला थाना प्रभारी निरीक्षक रेखा सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। परिवार परामर्श केंद्र समिति के प्रभारी डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का संचालन किया। इसमें बड़ी संख्या में सास-बहू, ननद-भौजाई और मां-बेटियों ने भाग

लिया। प्राथमिक विद्यालय में महिला थाना प्रभारी निरीक्षक रेखा सिंह, उनकी टीम और प्रधानाध्यापिका ने औषधीय पौधा रोपित किया। इस दौरान 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का संदेश भी दिया गया। विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं के साथ गांव की महिलाओं को महिला सुरक्षा और सम्मान के प्रति जागरूक किया गया। इसके बाद ग्राम सचिवालय में ग्राम प्रधान नरेंद्र सुनील साहू के सहयोग से चौपाल आयोजित हुई। थाना दही की महिला आरक्षियों मांडवी, प्रिया, नेहा, अनामिका, सोनम और पूजा चौधरी ने अधिक से अधिक महिलाओं को कार्यक्रम में शामिल कराया। चौपाल में सास-बहू, मां-बेटी और ननद-भौजाई के रिश्तों को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया। महिला थाना प्रभारी निरीक्षक रेखा सिंह और डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने महिलाओं को पारिवारिक रिश्तों में प्रेम और सम्मान बनाए रखने की सीख दी। उन्होंने कहा कि सास को मां और बहू को बेटी का दर्जा दिया जाए। यदि परिवार में शुरुआत से ही एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सम्मान और विश्वास बना रहेगा तो विवाद की स्थिति कम होगी और परिवार खुशहाल रहेगा। आगामी 15 अगस्त को लेकर हर घर तिरंगा अभियान के तहत ग्राम प्रधान के सहयोग से महिलाओं और ग्रामीणों को तिरंगे वितरित किए गए। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को स्वतंत्रता दिवस पर अपने घरों पर तिरंगा लगाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को शासन के मिशन शक्ति अभियान के बारे में जानकारी दी गई। महिला सुरक्षा से संबंधित पंपलेट वितरित किए गए और शासन द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तार से बताया गया। पुलिस टीम ने महिलाओं को किसी भी समस्या की स्थिति में बेझिझक पुलिस की मदद लेने के लिए प्रेरित किया।

झटका मशीन की चपेट में आने से बच्ची की मौत

सुलतानपुर के घरवासपुर में हुई घटना, खेलते-खेलते खेत की ओर पहुंची

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुलतानपुर के लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के घरवासपुर गांव में शनिवार दोपहर खेत में लगी झटका मशीन के तार की चपेट में आने से चार वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। घटना के बाद गांव में भी शोक का माहौल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, घरवासपुर निवासी किसान मुरारी पांडेय के खेत में फसल की सुरक्षा के लिए झटका मशीन लगाई गई थी। शनिवार को करीब 11:30 बजे इमरान की चार वर्षीय बेटी साजिया घर के पास खेल रही थी। इसी

दौरान वह खेलते हुए खेत की ओर चली गई और वहां झटका मशीन के तार की चपेट में आ गई। करंट लगने से बच्ची गंभीर रूप से झुलस गई। परिजन उसे आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लंभुआ लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। साजिया अपने माता-पिता इमरान और रुबीना की तीन बेटियों में दूसरी थी। परिजनों के मुताबिक, उनकी पहली बेटी की पहले ही मौत हो चुकी है। अब परिवार में डेढ़ साल की एक छोटी बेटी ही बची है। बच्ची के पिता इमरान मुंबई में एक निजी कंपनी में काम करते हैं। बेटी की मौत की सूचना से परिवार में मातम छा गया। घटना की सूचना पर लंभुआ कोतवाली प्रभारी धीरज कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस हादसे के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

प्रेमिका के वियोग में मोबाइल टावर पर चढ़ा प्रेमी

घंटों चला हाईवोल्टेज ड्रामा, प्रेमिका के बुलाने पर नीचे उतरा, बहराइच से आया था

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रावस्ती। श्रावस्ती जिले के मल्हीपुर थाना क्षेत्र के बैरियर चौराहा पर शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब बहराइच जिले के नानपारा कोतवाली क्षेत्र के पतझिया गांव निवासी 26 वर्षीय अनिल कुमार पुत्र सतनाम एक मोबाइल टावर पर चढ़ गया। शनिवार को 3:00 बजे के बाद स्थानीय लोगों के द्वारा बताया गया कि उसने अपनी प्रेमिका से अलग होने के वियोग में यह कदम उठाया और काफी देर तक हाईवोल्टेज ड्रामा चलता रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को नीचे उतारने का प्रयास किया। हालांकि, अनिल अपनी प्रेमिका को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़ा रहा। बताया गया है कि अनिल का

मल्हीपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवक के अनुसार, युवती के गांव में उसका ननिहाल है, जहां आने-जाने के दौरान दोनों के बीच संबंध विकसित हुए। पिछले महीने दोनों घर से चले गए थे, जिसके बाद युवती के पिता की तहरीर पर 27 जुलाई को मल्हीपुर थाने में युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने बाद में युवती को बरामद कर लिया था। काफी प्रयासों के बाद पुलिस ने प्रेमिका को मौके पर बुलाया। प्रेमिका के आने और बुलाने पर युवक टावर से नीचे उतर आया। इसके बाद पुलिस उसे अपने साथ थाने ले गई। मल्हीपुर पुलिस के अनुसार, युवती के पिता की तहरीर पर युवक के खिलाफ पहले से ही मुकदमा दर्ज है।

डीएम ने लहराया तिरंगा, 250 खिलाड़ी, एनसीसी कैडेट और पीआरडी जवान हुए शामिल

हरदोई में यूथ कनेक्ट तिरंगा रैली

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। देशभक्ति की भावना को मजबूत करने और युवाओं में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करने के उद्देश्य से शनिवार को हरदोई में 'यूथ कनेक्ट तिरंगा रैली' का आयोजन किया गया। दोपहर करीब 2:30 बजे स्पोर्ट्स स्टेडियम से शुरू हुई इस रैली में बड़ी संख्या में युवा, खिलाड़ी, एनसीसी कैडेट और प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) के जवान शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लेकर प्रतिभागियों ने देशभक्ति के नारे लगाए और पूरे उत्साह के साथ रैली में भाग लिया। रैली का शुभारंभ स्पोर्ट्स स्टेडियम हरदोई से हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में क्रीड़ाधिकारी मंजू शर्मा ने जिलाधिकारी अनुनय झा का स्वागत किया। इसके बाद जिलाधिकारी ने स्वयं तिरंगा लहराकर रैली को महाराणा प्रताप डिग्री कॉलेज के लिए रवाना किया। रैली के दौरान युवाओं

में खासा उत्साह देखने को मिला। तिरंगा रैली स्पोर्ट्स स्टेडियम से रवाना होकर महाराणा प्रताप डिग्री कॉलेज पहुंची। कॉलेज परिसर में राष्ट्रगान के साथ रैली का समापन किया गया। इसके बाद कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों और अतिथियों को जलपान वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने युवाओं और खिलाड़ियों से देश के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। अधिकारियों ने कहा कि युवा देश की शक्ति हैं और उनमें राष्ट्रप्रेम, अनुशासन तथा जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना आवश्यक है।

250 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

क्रीड़ाधिकारी मंजू शर्मा के नेतृत्व में स्पोर्ट्स स्टेडियम के करीब 250 खिलाड़ियों ने रैली में हिस्सा लिया। इसके अलावा महाराणा प्रताप डिग्री कॉलेज के एनसीसी कैडेट और प्रांतीय रक्षक दल के जवान भी तिरंगा लेकर रैली में शामिल हुए। रैली में शामिल प्रतिभागी हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर आगे बढ़ रहे थे। इस दौरान देशभक्ति के नारों से माहौल गूंजता रहा। प्रशासन की ओर से युवाओं को राष्ट्रहित, राष्ट्रीय एकता और देशप्रेम की भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

कई अधिकारी और प्रशिक्षक रहे मौजूद

कार्यक्रम के संयोजक के रूप में सिटी मजिस्ट्रेट संजय कुमार, जिला विकास अधिकारी (डीडीओ) कमलेश कुमार, महाराणा प्रताप डिग्री कॉलेज के प्राचार्य निखिलेश शरण और प्रभारी युवा कल्याण अधिकारी समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

जिम ट्रेनर अक्षत श्रीवास्तव, बैडमिंटन कोच प्रशांत निगम, लिपिक विनय प्रताप, दिवाकर मिश्रा, छोटे भइया, सूरज तिवारी और सूर्य प्रताप सिंह सहित कई लोग कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन मनीष मिश्रा ने किया।

वारदात : शव को तालाब में फेंका, जमीन के 48 लाख रुपए बहन को दिलाना चाहता था

साले ने जीजा की गला घोंटकर की हत्या

- पुलिस ने 3 अगस्त की सुबह इसी तालाब से युवक का शव बरामद किया था।
- एसपी ने हत्या का खुलासा कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुल्तानपुर में साले ने अपने 3 साथियों के साथ मिलकर जीजा की हत्या कर दी। पार्टी के बहाने साला ने जीजा को बुलाया। साथ बैठकर शराब पी। इसके बाद साथियों के साथ मिलकर दुपट्टे से गला घोंट दिया। शव को तालाब में फेंक दिया। वारदात 2 अगस्त की रात को हुई थी। शनिवार दोपहर 2

बजे पुलिस ने मामले का खुलासा किया। साले समेत उसके 3 दोस्तों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया। पुलिस को बताया- उसके जीजा ने 48 लाख रुपए में जमीन का सौदा किया था। उन्होंने इसके लिए नया अकाउंट खुलवाया। जीजा ने नॉमिनी अपने मामा के बेटे को बनाया था। मुझे डर था कि जमीन की रकम मेरी बहन को नहीं मिलेगी। जीजा सब अपने ऊपर खर्च कर देंगे। उनके न रहने पर सारा रुपया नॉमिनी को मिल जाएगा। बहन को रुपए दिलाने के लिए उसने मर्डर का प्लान बनाया था।

बहन को रकम न मिलने का था डर

पुलिस के अनुसार, शाकिब के सालों को आशंका थी कि जमीन बेचने के बाद मिलने वाले 48 लाख रुपए वह अपनी पत्नी को नहीं देगा और शराब समेत अन्य कामों में खर्च कर देगा। उन्हें यह भी डर था कि उसकी मौत की स्थिति में बैंक खाते की रकम नॉमिनी को मिल सकती है। इसी लालच में आरोपियों ने जमीन की रकम अपनी बहन के नाम कराने के लिए शाकिब की हत्या की साजिश रची।

शराब पिलाकर दुपट्टे से घोंटा गला

साजिश के तहत 2 अगस्त की रात शाकिब को सलमान अपने साथ ले गया। उसे शराब पिलाई। इसके बाद उसे गांव के बाहर ले जाया गया। यहां पहले से मौजूद साथियों के साथ मिलकर दुपट्टे से जीजा का गला घोंट दिया। हत्या के बाद शव को जल निगम के तालाब में फेंक दिया गया और भाग गए। हत्याकांड का खुलासा करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक सुरेश नारायण मिश्र, उपनिरीक्षक अविनाश चंद्र, उपनिरीक्षक अरविंद सिंह, रिजर्व कांस्टेबल रविंद्र कुमार और रिजर्व कांस्टेबल अवधेश गौड़ शामिल रहे। पुलिस अधीक्षक ने सफल खुलासे पर टीम को 25 हजार रुपए के पुरस्कार से सम्मानित किया है।

भाजपा ब्रज क्षेत्र की प्रभारी बनीं गीता शाक्य

प्रदेश महामंत्री रामप्रताप सिंह चौहान को पश्चिम की जिम्मेदारी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। प्रदेश की टीम गठित होने के बाद भाजपा ने प्रभारी भी घोषित कर दिए हैं। प्रदेश महामंत्री गीता शाक्य को ब्रजक्षेत्र का प्रभारी बनाया गया है। आगरा के रहने वाले प्रदेश महामंत्री रामप्रताप सिंह चौहान को पश्चिम क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई है। संगठनात्मक समीक्षा के लिए जल्द ही प्रभारियों के जिलों में भ्रमण शुरू हो जाएंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने शनिवार को प्रभारियों की घोषणा कर दी। पिछले महीने भाजपा ने प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा कर दी थी। इसमें औरैया की रहने वाली वर्तमान राज्यसभा सांसद चंद्रप्रभा उर्फ गीता शाक्य को

प्रदेश महामंत्री नियुक्त किया गया था। गीता शाक्य को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उनके राज्यसभा सदस्य का कार्यकाल समाप्त होने से ठीक पहले मिली। गीता शाक्य का राजनीतिक सफर औरैया जिले में ग्राम प्रधान के रूप में शुरू हुआ था।

अपनी मेहनत और समर्पण के दम पर वह देश के उच्च सदन, राज्यसभा तक पहुंचीं। उनके चुनावी करियर में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। वर्ष 2009 के बिधूना विधानसभा उपचुनाव में उन्होंने समाजवादी पार्टी (सपा) के टिकट पर चुनाव लड़ा था और दूसरे स्थान पर रही थीं। वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव से पहले वह भाजपा में शामिल हो गईं। अब उन्हें ब्रजक्षेत्र का प्रभारी बनाया गया है।

उनके चुनावी करियर में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। वर्ष 2009 के बिधूना विधानसभा उपचुनाव में उन्होंने समाजवादी पार्टी (सपा) के टिकट पर चुनाव लड़ा था और दूसरे स्थान पर रही थीं। वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव से पहले वह भाजपा में शामिल हो गईं। अब उन्हें ब्रजक्षेत्र का प्रभारी बनाया गया है।

गोविंद साहब की धरती से 2027 का सियासी संकेत

योगी ने विकास के बहाने साधा विपक्ष, करीब 45 मिनट के संबोधन में अंबेडकरनगर का विकास बना केंद्र

संबोधन

बृजेंद्र वीर सिंह

अंबेडकरनगर। गोविंद साहब की धरती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का करीब 45 मिनट का संबोधन केवल विकास कार्यों के ब्योरे तक सीमित नहीं रहा। भाषण में जिले की राजनीतिक तस्वीर भी उभरी। मुख्यमंत्री ने अंबेडकरनगर के विकास कार्यों का जिक्र किया।

इसके बाद समाजवादी पार्टी को निशाने पर लिया। कटेहरी उपचुनाव का संदर्भ देकर 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में मजबूती से खड़े रहने का संदेश भी दिया। मुख्यमंत्री के संबोधन में विकास और राजनीति साथ-साथ दिखाई दिए। उन्होंने जिले में किए जा रहे विकास कार्यों को सामने रखा। साथ ही भाजपा के स्थानीय जनप्रतिनिधियों की

सक्रियता का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कटेहरी उपचुनाव का भी संदर्भ दिया। उन्होंने जनता से आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में मजबूती से खड़े रहने का संदेश दिया। गोविंद साहब से दिया गया संदेश इसलिए भी अहम है कि 2027 के चुनाव से पहले अंबेडकरनगर में विकास के साथ स्थानीय राजनीतिक नेतृत्व और कटेहरी के चुनावी अनुभव को भी भाजपा के पक्ष में जोड़ा गया है।

विकास के मुद्दे पर सपा पर सीधा वार

योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर विकास के मुद्दे को लेकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सपा के लोगों का विकास से कोई सरोकार नहीं है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने जिले के विकास से जुड़े मुद्दों को लेकर भाजपा नेताओं की सक्रियता गिनाई। उन्होंने एमएलसी डॉ. हरिओम पांडेय, कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद और पूर्व सांसद रितेश पांडेय का नाम लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये नेता जिले के विकास से जुड़े मुद्दों को लेकर लगातार सक्रिय रहते हैं। भाषण में इन नेताओं का उल्लेख स्थानीय राजनीतिक नेतृत्व को भी चर्चा के केंद्र में ले आया।

अंबेडकरनगर में अब विकास बनाम विपक्ष की राजनीति

मुख्यमंत्री के इस संबोधन से जिले में आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक विमर्श का एक आधार सामने आया है। भाजपा के लिए विकास कार्यों को प्रमुख मुद्दा बनाने का संकेत मिला है। वहीं सपा पर हमला बताता है कि आने वाले समय में दोनों दलों के बीच विकास और जनप्रतिनिधियों के काम को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो सकती है।

विकास की बात से शुरू हुआ भाषण, चुनावी संदेश तक पहुंचा

मुख्यमंत्री के संबोधन की राजनीतिक अहमियत इसी क्रम में नजर आई। शुरुआत जिले के विकास कार्यों से हुई। इसके बाद सपा पर हमला हुआ। फिर भाजपा के स्थानीय नेताओं की सक्रियता गिनाई गई। अंत में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए समर्थन का संदेश दिया गया। इस तरह गोविंद साहब की धरती से मुख्यमंत्री ने विकास को केंद्र में रखते हुए विपक्ष पर निशाना साधा और 2027 की चुनावी दिशा की ओर भी संकेत किया।

> 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर अभी राजनीतिक दलों की तैयारियां चल रही हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री के संबोधन में कटेहरी उपचुनाव का उल्लेख राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण रहा। कटेहरी को लेकर भाजपा के पक्ष में बने समर्थन को आगामी चुनाव से जोड़ने की कोशिश भाषण में दिखाई दी।

स्थानीय नेताओं के नाम से साधा जिले का राजनीतिक फोकस

अंबेडकरनगर के तीन भाजपा नेताओं का नाम लेकर मुख्यमंत्री ने स्थानीय स्तर पर पार्टी के नेतृत्व की भूमिका को सामने रखा। कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद का उल्लेख विधानसभा क्षेत्र की राजनीति के लिहाज से खास रहा। वहीं, एमएलसी डॉ. हरिओम पांडेय और पूर्व सांसद रितेश पांडेय का नाम लेकर मुख्यमंत्री ने जिले के विकास से जुड़े प्रयासों का उल्लेख किया।

जलालपुर से बेलवाई धाम के लिए रवाना हुआ महिला कांवड़ियों का जत्था

उस्मापुर से शुरू हुई यात्रा, हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से गूंजा रास्ता

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर (अंबेडकरनगर)। सावन माह के अवसर पर शनिवार को जलालपुर क्षेत्र से महिला कांवड़ियों का जत्था बेलवाई धाम के लिए रवाना हुआ। उस्मापुर क्षेत्र से शुरू हुई इस यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। कांवड़ लेकर महिलाएं बाबा भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए बेलवाई की ओर रवाना हुईं। महिला कांवड़ियों ने हाथों में कांवड़ और धार्मिक ध्वज थाम रखे थे। यात्रा के दौरान 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयकारे लगाए गए। कई महिलाएं भजन और धार्मिक गीत गाते हुए आगे बढ़ीं। उस्मापुर से शुरू हुआ कांवड़ियों का जत्था निर्धारित मार्ग से बेलवाई की ओर बढ़ा। रास्ते में कांवड़ियों के जयकारों से माहौल भक्तिमय बना रहा। यात्रा में शामिल महिलाएं कांवड़ लेकर पैदल आगे बढ़ती रहीं। जत्थे में

शामिल कांवड़ियों के साथ यात्रा मार्ग पर लोगों की भी मौजूदगी रही। यात्रा मार्ग पर कई स्थानों पर स्थानीय लोगों ने महिला कांवड़ियों का स्वागत किया। कांवड़ियों के लिए पेयजल समेत अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गईं। यात्रा निर्धारित मार्ग से होते हुए बेलवाई धाम की ओर रवाना हुई। महिला कांवड़ियों का जत्था जलाभिषेक के लिए बेलवाई पहुंचने के लिए आगे बढ़ता रहा।

फास्ट न्यूज

सपा ने बूथ स्तर पर कसी कमर

अंबेडकरनगर। कटेहरी स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय में रविवार को संगठन की महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें पार्टी के पदाधिकारियों के साथ बूथ अध्यक्ष और बूथ पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक को सांसद लालजी वर्मा ने संबोधित किया। उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया। बैठक में संगठन की जमीनी स्थिति को मजबूत करने पर चर्चा हुई।

60 महिला लीडरों को मिला अधिकारों और संविधान का प्रशिक्षण

जलालपुर (अंबेडकरनगर)। महिलाओं को उनके मौलिक अधिकारों, संवैधानिक मूल्यों और जेंडर समानता के प्रति जागरूक करने के लिए मालीपुर में विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जन शिक्षण केंद्र की ओर से संचालित ग्रामीण महिला सशक्ति-करण कार्यक्रम के तहत नारी संघ अगुआ लीडरों को प्रशिक्षण दिया गया। नारी संघ कार्यालय, मालीपुर में आयोजित प्रशिक्षण में छह नई ग्राम पंचायतों समेत कुल 12 ग्राम पंचायतों से चयनित 60 महिला लीडरों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण दो बैचों में कराया गया।

पर्यावरण संरक्षण की पहल, पौध वितरण के साथ किया गया पौधरोपण

अंबेडकरनगर। पर्यावरण संरक्षण को लेकर समा फाउंडेशन ट्रस्ट की ओर से शनिवार को बेलासपुर स्थित कार्यालय परिसर में पौध वितरण और पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के सदस्यों और उपस्थित लोगों ने पौधे लगाए। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

सावन के सोमवार और कांवड़ यात्रा को लेकर बदला यातायात

भारी वाहनों के लिए अलग रूट तय, अयोध्या-आजमगढ़-बस्ती समेत कई मार्गों पर बदलाव

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सावन के दूसरे सोमवार और कांवड़ यात्रा को देखते हुए जिले में यातायात व्यवस्था बदल दी गई है। शनिवार से वाहनों का डायवर्जन लागू कर दिया गया है। यह व्यवस्था 12 अगस्त की सुबह आठ बजे तक जारी रहेगी। इसके बाद भी सावन के आगामी आयोजनों को देखते हुए अलग-अलग तारीखों पर यातायात प्रतिबंध लागू रहेगा। यातायात व्यवस्था के तहत भारी वाहनों को प्रमुख मार्गों से हटाकर एक्सप्रेसवे और वैकल्पिक रास्तों से भेजा जा रहा है। शहर के कई मार्गों पर नो-एंट्री लागू की गई है। चौथे सोमवार को देखते हुए 23 अगस्त की सुबह से 24 अगस्त की रात 11 बजे तक यातायात डायवर्जन लागू रहेगा। वहीं, सावन पूर्णिमा स्नान और मेला समापन को लेकर 27 अगस्त की सुबह आठ बजे से 28 अगस्त की रात 11 बजे तक यातायात व्यवस्था बदली रहेगी। डायवर्जन के दौरान अयोध्या की ओर से आने-जाने वाले हल्के वाहन यादवनगर से मिझौड़ा चौराहा, महरुआ होते हुए अकबरपुर जा सकेंगे। शहर के हल्के वाहनों के लिए तहसील तिराहा से शहजादपुर, गौहन्ना, महरुआ और मिझौड़ा चौराहा होते हुए यादवनगर का रास्ता निर्धारित किया गया है। इस मार्ग से अयोध्या की ओर आवागमन किया जा सकेगा। सुलतानपुर से आने वाले भारी वाहनों को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के कट संख्या 136, 161 और 183 से डायवर्ट किया जा रहा है। जौनपुर की ओर से आने वाले भारी वाहनों को सुरहुरपुर से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के कट संख्या 183 की ओर भेजा जा रहा है।

28,836 किशोरियों के लक्ष्य के मुकाबले 22,158 को लगा टीका, 31 अगस्त तक चलेगा अभियान

एचपीवी टीकाकरण में अंबेडकरनगर मंडल में अव्वल, प्रदेश में दूसरे स्थान पर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। किशोरियों को एचपीवी संक्रमण से बचाव और सर्वाइकल कैंसर के जोखिम को कम करने के लिए जिले में चल रहे टीकाकरण अभियान ने अहम प्रगति दर्ज की है। अंबेडकरनगर मंडल में पहले और प्रदेश में दूसरे स्थान पर है। जिले में निर्धारित लक्ष्य की बड़ी संख्या में किशोरियों का टीकाकरण पूरा हो चुका है। 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों के लिए चल रहा यह अभियान 1 अप्रैल से 31 अगस्त 2026 तक संचालित किया जा रहा है। जिले में कुल 28,836 किशोरियों के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित है। इसके मुकाबले अब तक 22,158 किशोरियों को एचपीवी का टीका लगाया जा चुका है। निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने अभियान को व्यापक स्तर पर

संचालित किया है। विद्यालयों और स्वास्थ्य केंद्रों पर टीकाकरण सत्र लगाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमें अभिभावकों को भी अभियान की जानकारी दे रही हैं। पात्र किशोरियों के टीकाकरण के लिए उन्हें निर्धारित सत्रों तक पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है। 28,836 के लक्ष्य में 22,158 किशोरियों का टीकाकरण पूरा हो चुका है। अब अभियान के शेष समय में बाकी पात्र किशोरियों तक पहुंच बनाना विभाग की प्राथमिकता है। 31 अगस्त तक चलने वाले अभियान में टीकाकरण की रफ्तार बनाए रखने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमें सक्रिय हैं।

एक दिन में 800 से अधिक किशोरियों को लगा टीका

शनिवार, 8 अगस्त को अभियान के तहत विशेष प्रयास किए गए। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इस दौरान 800 से अधिक किशोरियों का टीकाकरण किया गया। अभियान की प्रगति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीमें विद्यालयों और स्वास्थ्य केंद्रों समेत विभिन्न स्थानों पर टीकाकरण सत्र आयोजित कर रही हैं। जिले में एचपीवी टीकाकरण अभियान अभी जारी है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 31 अगस्त तक पात्र किशोरियों का टीकाकरण किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग की टीमें पात्र किशोरियों और उनके अभिभावकों को टीकाकरण के महत्व की जानकारी भी दे रही हैं। विभाग का फोकस निर्धारित आयु वर्ग की अधिक से अधिक पात्र किशोरियों तक पहुंच बनाने पर है।

सीएमओ ने अकबरपुर में टीकाकरण सत्रों का लिया जायजा

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार ने विकासखंड अकबरपुर के विभिन्न टीकाकरण सत्र स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने अभियान की प्रगति और सत्रों की व्यवस्था की जानकारी ली। सीएमओ के अनुसार एचपीवी टीकाकरण का उद्देश्य ह्यूमन पैपिलोमावायरस से होने वाले संक्रमण से सुरक्षा देना और भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के जोखिम को कम करना है। सरकारी स्वास्थ्य दिशानिर्देशों में भी किशोरियों के लिए निर्धारित आयु में एचपीवी टीकाकरण को प्राथमिकता दी गई है।

विद्यालयों तक पहुंच रही स्वास्थ्य विभाग की टीमें

जिलाधिकारी के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित किया है। विद्यालयों और स्वास्थ्य केंद्रों पर टीकाकरण सत्र लगाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमें अभिभावकों को भी अभियान की जानकारी दे रही हैं। पात्र किशोरियों के टीकाकरण के लिए उन्हें निर्धारित सत्रों तक पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है। 28,836 के लक्ष्य में 22,158 किशोरियों का टीकाकरण पूरा हो चुका है। अब अभियान के शेष समय में बाकी पात्र किशोरियों तक पहुंच बनाना विभाग की प्राथमिकता है। 31 अगस्त तक चलने वाले अभियान में टीकाकरण की रफ्तार बनाए रखने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमें सक्रिय हैं।

14 अगस्त को स्कूलों में गूंजेगा विभाजन का इतिहास

माध्यमिक विद्यालयों में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस से लेकर स्वतंत्रता दिवस तक होंगे कई कार्यक्रम, क्विज से प्रभात फेरी तक की तैयारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। स्वतंत्रता दिवस से पहले जिले के माध्यमिक विद्यालयों में दो दिन विशेष कार्यक्रमों के नाम रहेंगे। शासन के निर्देशों के तहत 14 अगस्त को विद्यालयों में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जाएगा, जबकि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए जिला स्तर से सभी माध्यमिक विद्यालयों को कार्यक्रमों की रूपरेखा और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। प्रधानाचार्यों को कार्यक्रमों की तैयारियां तत्काल शुरू करने और शासन की ओर से निर्धारित सभी गतिविधियों का आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को देश के विभाजन के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्रीय एकता के महत्व से परिचित कराना है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सभी माध्यमिक विद्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। इसके बाद राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गायन होगा। हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत विद्यार्थियों की तिरंगा प्रभात फेरी भी निकाली जाएगी। प्रभात फेरी के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रीय ध्वज और स्वतंत्रता दिवस के महत्व के प्रति जागरूक किया जाएगा।

14 अगस्त को इतिहास से रूबरू होंगे विद्यार्थी

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर विद्यालयों में गोष्ठी और परिचर्चा होगी। विद्यार्थियों को देश के विभाजन के ऐतिहासिक संदर्भ की जानकारी दी जाएगी। विभाजन से प्रभावित परिवारों की पीड़ा और उस दौर की परिस्थितियों पर भी चर्चा होगी। इसके साथ ही राष्ट्रीय एकता और अखंडता के महत्व को समझाया जाएगा। विद्यार्थियों को विभाजन विभीषिका पर आधारित राष्ट्रीय ऑनलाइन क्विज में शामिल होने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा।

चार प्रतियोगिताओं में दिखेगा विद्यार्थियों का हुनर

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए निबंध, चित्रकला, भाषण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इन प्रतियोगिताओं के जरिए विद्यार्थियों को स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्रीय एकता से जुड़े विषयों पर अपनी बात रखने का अवसर मिलेगा। पर तिरंगा फहराने के लिए लोगों को प्रेरित करेंगे। विद्यालयों में होने वाली गतिविधियों की जानकारी हर घर तिरंगा पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं।

विद्यालयों में विद्यार्थियों की भागीदारी से विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। विद्यालयों में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। इनमें विद्यार्थियों को देशभक्ति, स्वतंत्रता संग्राम, राष्ट्रीय एकता और देश के विकास से जुड़े विषयों पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। अधिकारियों ने विद्यालय प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि कार्यक्रमों का आयोजन निर्धारित रूपरेखा के अनुसार किया जाए और अधिक से अधिक विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के दौरान विद्यार्थियों को देश के विभाजन से जुड़े इतिहास और उस दौरान सामने आई परिस्थितियों की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को विभाजन के सामाजिक प्रभावों से परिचित कराने के साथ राष्ट्रीय एकता और सद्भाव का संदेश दिया जाएगा।

क्रिकेट के मैदान से सड़क सुरक्षा का संदेश

रविवार सुबह 5:30 बजे अकबरपुर में होगा मुकाबला

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से रविवार को अकबरपुर में क्रिकेट मुकाबला आयोजित किया जाएगा। आराध्या श्री फाउंडेशन के तत्वावधान में होने वाली रोड सेफ्टी सड़क सुरक्षा सद्भावना कप प्रतियोगिता में डॉक्टर्स इलेवन और बेसिक टीचर्स इलेवन आमने-सामने होंगी। मुकाबला रविवार सुबह 5:30 बजे अकबरपुर स्थित जेएसआर क्रिकेट एकेडमी के मैदान पर खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच 16-16 ओवर का कैनवस बॉल क्रिकेट मैच होगा। प्रतियोगिता का उद्देश्य क्रिकेट के माध्यम से लोगों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना है। आयोजन के दौरान यातायात नियमों का पालन करने का संदेश दिया जाएगा। आयोजकों के अनुसार खेल के माध्यम से सड़क सुरक्षा से जुड़े संदेश को लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रतियोगिता में एक ओर डॉक्टर्स इलेवन होगी, जबकि दूसरी ओर बेसिक टीचर्स इलेवन अंबेड-करनगर की टीम मैदान में उतरेगी। दोनों टीमों के बीच 16-16 ओवर का मुकाबला खेला जाएगा। मैच को सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान से जोड़ा गया है। इसके जरिए खिलाड़ियों और मौजूद लोगों को यातायात नियमों के पालन का संदेश दिया जाएगा।

समस्या : अकबरपुर के अस्थायी बस अड्डे पर बढ़ी परेशानी, निबियहवा पोखरा परिसर में जलभराव से बिगड़ी व्यवस्था

बारिश के बाद कीचड़ में फंस रहे बसों के पहिए

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर के निबियहवा पोखरा स्थित अस्थायी रोडवेज बस अड्डे पर बारिश के बाद जलभराव और कीचड़ की समस्या बढ़ गई है। परिसर के कई हिस्सों में पानी जमा होने के साथ गीली मिट्टी के कारण कीचड़ हो गया है। इससे बसों के संचालन के साथ यात्रियों और रोडवेज कर्मियों की आवाजाही भी प्रभावित हो रही है। बारिश के बाद बस अड्डे के परिसर में जगह-जगह कीचड़ जमा हो गया है। गीली मिट्टी के कारण बसों के पहिए कई बार धंस जा रहे हैं। बस के फंसने की स्थिति में उसे बाहर निकालने के लिए हाइड्रा या ट्रैक्टर की मदद लेनी पड़ रही है। इससे बसों के संचालन में अतिरिक्त परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अकबरपुर शहर में जाम

की समस्या को देखते हुए निबियहवा पोखरा में अस्थायी बस अड्डा बनाया गया है, जहां से रोडवेज बसों का संचालन किया जा रहा है। हालांकि बारिश के दौरान परिसर में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने से जगह-जगह पानी जमा हो जाता है। पानी निकलने के बाद भी परिसर में कीचड़ की स्थिति बनी रहती है। कीचड़ के कारण यात्रियों को बसों तक पहुंचने में भी परेशानी हो रही है। वहीं, बसों के परिसर में आने-जाने के दौरान उनके फंसने का खतरा बना रहता है।

बस निकालने में लग रहा अतिरिक्त समय

बसों के कीचड़ में फंसने से उन्हें रवाना करने में देरी हो रही है। इससे यात्रियों को भी इंतजार करना पड़ता है। बसों को निकालने के लिए अतिरिक्त संसाधनों का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। रोडवेज कर्मियों के अनुसार बारिश के दौरान परिसर में कीचड़ की समस्या बढ़ जाती है। इसके चलते बसों के संचालन में अतिरिक्त दिक्कत आती है।

समस्या के समाधान की मांग

स्थानीय लोगों और यात्रियों ने बस अड्डे पर जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त कराने और कीचड़ की समस्या से निजात दिलाने की मांग की है। उनका कहना है कि परिसर में जल निकासी की उचित व्यवस्था और जरूरी सुधार किए जाने से बारिश के दौरान यात्रियों और रोडवेज कर्मियों को राहत मिलेगी। साथ ही बसों का संचालन भी सुचारु रूप से हो सकेगा। जलभराव और कीचड़ के बावजूद निबियहवा पोखरा स्थित अस्थायी बस अड्डे से रोडवेज बसों का संचालन जारी है। हालांकि बारिश के बाद पैदा हुई परिस्थितियों के चलते बसों के आवागमन में दिक्कत आ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समस्या का स्थायी समाधान जल्द किया जाना जरूरी है, ताकि यात्रियों को परेशानी न उठानी पड़े।

कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन से आठ मांगें, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

जलालपुर में 11 अगस्त शाम से शुरू होगी यात्रा

12 अगस्त सुबह काशी विश्वनाथ के लिए रवाना होंगे कांवड़िये

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर (अंबेडकरनगर)। आगामी कांवड़ यात्रा-2026 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। श्री नव दुर्गा कांवड़िया मंडल निःशुल्क सेवा समिति ने यात्रा के दौरान व्यवस्थाएं दुरुस्त कराने की मांग की है। समिति अध्यक्ष सोनू गौड़ और विकास निषाद ने उपजिलाधिकारी मधुमिता सिंह को ज्ञापन सौंपा। इसमें प्रशासन के सामने आठ प्रमुख मांगें रखी गई हैं। समिति ने यात्रा मार्ग पर साफ-सफाई की व्यवस्था कराने की मांग की है। इसके साथ ही पर्याप्त पेयजल और जलापूर्ति की व्यवस्था पर जोर दिया गया है। यात्रियों के ठहरने के लिए विश्राम स्थल पर शिविर बनाने की मांग भी

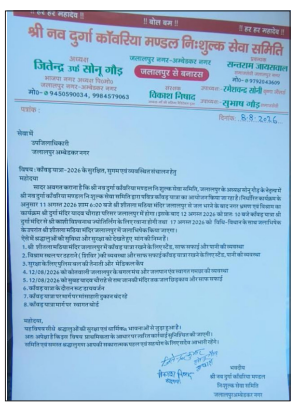

ज्ञापन में शामिल है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर समिति ने पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की मांग की है। यात्रा के दौरान मेडिकल कैंप लगाने की भी मांग की गई है, ताकि जरूरत पड़ने पर कांवड़ियों को तत्काल चिकित्सा सुविधा मिल सके। समिति ने यादव चौराहे से राम जानकी मंदिर तक सड़क पर जल छिड़काव कराने की मांग की है। यात्रा मार्ग पर स्वागत बोर्ड लगाने और यातायात व्यवस्था के लिए रूट डायवर्जन की मांग भी की गई है।समिति ने सभी व्यवस्थाओं पर प्राथमिकता के आधार पर जल्द कार्रवाई का अनुरोध किया है। कार्यक्रम के अनुसार 11 अगस्त 2026 की शाम छह बजे शीतला मठिया मंदिर से जल भरकर कांवड़ यात्रा का नगर भ्रमण शुरू होगा। इसके बाद रात में कांवड़ियों का विश्राम यादव चौराहा स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में होगा।12 अगस्त की सुबह 10 बजे कांवड़ यात्रा काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग के लिए रवाना होगी। यात्रा के दौरान सुरक्षा और आवागमन को लेकर प्रशासन से आवश्यक व्यवस्थाएं करने की मांग की गई है। समिति ने पुलिस बल की तैनाती और रूट डायवर्जन की व्यवस्था को महत्वपूर्ण बताया है।

सम्पादकीय

कॉकरोच अब किस दिशा में बढ़ेंगे

जंतर-मंतर पर पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन खत्म हो चुका है और धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा भी हो गया है। इस बीच प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की ज्यादती को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दाखिल की गई हैं, जिन पर सुनवाई चल रही है। इस तरह देखा जाए तो कॉकरोच जनता पार्टी ने मोदी सरकार के नुमाइंदों के साथ मिलकर जो समझौता किया था और महीने भर से ऊपर चला आंदोलन खत्म हुआ था, तो अब कॉकरोच जनता पार्टी किस दिशा में आगे बढ़ेगी। क्या वह किसी राजनैतिक दल में तब्दील होगी, या फिर शिक्षा व्यवस्था के जो अनसुलझे सवाल हैं, उन्हें उठाएगी, या उसकी भूमिका बस यहीं तक सीमित थी, ऐसे कई सवालों पर जवाब मिलने अब शुरु हो गए हैं। भौगोलिक संदर्भ बुधवार और गुरुवार दो दिनों तक कॉकरोच जनता पार्टी की बैठक चली और अब अभिजीत दिपके ने गुरुवार को अपने अगले कदम के बारे में बताया है। दिपके के मुताबिक सीजेपी अब देश भर में एक नयी मुहिम छेड़ रही है, जिसका नाम होगा 'क्या बोलती पब्लिक'। इस मुहिम की घोषणा करते हुए दिपके ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं को समझना और उनके लिए काम करना होगा। बकौल, दिपके इस अभियान का सबसे पहला ध्यान शिक्षा क्षेत्र पर होगा, धीरे-धीरे इसे अन्य मुद्दों पर भी केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा पर सबसे पहले ध्यान इसलिए दिया गया है क्योंकि स्कूल, कॉलेज और कोचिंग की बढ़ती फीस की वजह से कई परिवार अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध नहीं करवा पाते। उन्होंने कहा, देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार हमारा पहला मुद्दा होगा। इस पर हमें काम करना है। हमारा मानना है कि देश में शिक्षा महंगी हो गई है। पहली कक्षा के लिए सालाना फीस 1 लाख रुपए से लेकर 2 लाख रुपए के बीच है। इसके अलावा कई जगह डोनेशन भी चलता है। दिपके ने सवाल उठाया कि देश में लोगों की आय इतनी कम है। आखिर वह कैसे अपने बच्चों को इतनी फीस देकर पढ़ा पाएंगे? कॉलेज और कोचिंगों की महंगी फीस कई परिवारों को कर्ज के जाल में फंसा रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कॉकरोच पार्टी छात्रों के और तमाम परिवारों के इस आर्थिक बोझ को कम करना चाहती है। अभिजीत दिपके ने भीम राव अंबेडकर का जिक्र करते हुए कहा कि शिक्षा पर सभी का अधिकार है। शिक्षा को सभी के लिए उपलब्ध होना चाहिए।

लेकिन आज के समय में शिक्षा केवल एक मुनाफे का धंधा बन चुकी है। अभिजीत दिपके की ये बातें भारतीय राजनीति के लिए देजा वू पल समान लग रही हैं। फ्रेंच भाषा से लिए गए इस शब्द का अर्थ है पहले से देखा या महसूस किया हुआ। ज्यादा नहीं बस डेढ़ दशक पहले 26 नवंबर 2012 को आम आदमी पार्टी बनी थी। अरविंद केजरीवाल की बनाई यह पार्टी इंडिया अगेंस्ट करप्शन नाम के अभियान से ही निकली थी। आम आदमी पार्टी ने भी जनता पर पकड़ बनाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी जैसे बुनियादी मुद्दों पर ही जोर दिया। और इसमें कोई संदेह नहीं कि जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो चाहे सरकारी स्कूल हों या मोहल्ला क्लिनिक की अवधारणा इनसे लाखों लोगों की जिंदगी में सहूलियत बढ़ी। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में बहुत हद तक आप सरकार ने सुधार किया था। फरवरी 2020 में जब ट्रंप भारत के दौरे पर थे, तो अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने एक सरकारी स्कूल का दौरा भी किया था। आम आदमी पार्टी ने अपने गठन के वक्त यही दावा किया था कि वह राजनीति में बदलाव करेगी और मौजूदा चलन से हटकर काम करके दिखाएगी। लेकिन राजनैतिक मजबूरी कहें या महत्वाकांक्षा, आम आदमी पार्टी भी अब उसी रवैये पर चलती है जैसे बाकी राजनैतिक दल। भाजपा के विरोध में आम आदमी पार्टी ने इंडिया गठबंधन का हिस्सा बनना मंजूर किया और उसी कांग्रेस से हाथ मिलाया, जिसकी मुखालफत वो करती रही है। लेकिन अब उसे इस गठबंधन में सहजता महसूस नहीं हुई तो वह अलग भी हो गई है। भविष्य में आम आदमी पार्टी क्या अकेले ही रहेगी या फिर किसी गठबंधन का हिस्सा बनेगी यह कहना कठिन है।

> **राजनीतिक दलों के ये शीर्ष स्तर के पैंतरे और बयानबाजी तब तक जमीन पर रंग नहीं लाएगी जब तक कि वे पंजाब के इन बुनियादी मुद्दों का कोई ठोस रोडमैप लेकर जनता के बीच नहीं जाएंगे।**

पंजाब की सियासी बिसात पर नए मोहरेः मोदी-बादल मुलाकात और राहुल के 'कैप्टन मोह' के निहितार्थ

भारतीय राजनीति में पंजाब हमेशा से एक ऐसा राज्य रहा है जिसकी राजनीतिक हवाएं पूरे देश के मिजाज को प्रभावित करने की क्षमता रखती हैं। सीमावर्ती सूबा होने के नाते यहाँ की राजनीतिक स्थिरता, सामाजिक ताना-बाना और दिल्ली के साथ इसके रिश्ते हमेशा से राष्ट्रीय सुरक्षा और नीति-निर्धारण के केंद्र में रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में आम आदमी पार्टी के उदय के बाद पंजाब की पारंपरिक द्विदलीय राजनीति पूरी तरह बदल चुकी है और मुख्यधारा के दल अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए छटपटा रहे हैं। ऐसे में, दिल्ली के राजनीतिक गलियारों से एक के बाद एक आए दो बड़े घटनाक्रमों ने पंजाब की सुलगती सियासत में घी डालने का काम किया है। पहली बड़ी घटना संसद भवन परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के बीच हुई औचक और बेहद गोपनीय मुलाकात है। इसके ठीक बाद, कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक हल्के-फुल्के सत्र के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान भाजपा नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह को भाजपा में अपना सबसे पसंदीदा राजनेता बताकर सबको चौंका दिया। इन दोनों प्रसंगों ने केवल सतह पर ही नहीं, बल्कि पंजाब की राजनीति की अंतर्धाराओं में एक नया ध्रुवीकरण शुरू कर दिया है, जिसके दूरगामी परिणाम आने वाले चुनावों में देखने को मिलेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सुखबीर सिंह बादल की इस मुलाकात के क्रोनोलॉजी और इसके पीछे की कूटनीति को समझना बेहद जरूरी है। सितंबर 2020 में जब केंद्र सरकार द्वारा तीन कृषि कानून लाए गए थे, तब देशव्यापी किसान आंदोलन के भारी दबाव के चलते अकाली दल को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से अपना ढाई दशक पुराना नाता तोड़ना पड़ा था। वह अलगाव केवल राजनीतिक नहीं था, बल्कि उसने पंजाब के ग्रामीण और सिख मतदाताओं के बीच अकाली दल की साख को भारी नुकसान पहुंचाया था। 2022 के विधानसभा चुनावों में दोनों दलों ने अलग-अलग चुनाव लड़ा और परिणाम यह हुआ कि दोनों पार्टियां हाशिए पर चली गईं। अकाली दल मात्र तीन सीटों पर सिमट गया और भाजपा को सिर्फ दो सीटों से संतोष करना पड़ा। हालिया आंतरिक सर्वेक्षणों और जमीन से आ रही रिपोर्टों ने सुखबीर बादल को यह अहसास करा दिया है कि ग्रामीण पंजाब में कट्टरपंथी और पंथक ताकतों का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है, जिससे अकाली दल का पारंपरिक वोट बैंक खिसक रहा है। ऐसी स्थिति में, अकेले चुनाव लड़कर सत्ता में वापसी करना अकाली दल के लिए एक असंभव चुनौती बन चुका था। सूत्रों के मुताबिक, इस गतिरोध को तोड़ने और प्रधानमंत्री मोदी के साथ सुखबीर बादल की इस मुलाकात की पटकथा लिखने में पड़ोसी राज्य हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक महत्वपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका निभाई है। गुरुवार की देर रात प्रधानमंत्री कार्यालय से सुखबीर बादल को फोन जाना और अगले ही दिन दिल्ली में यह बैठक होना साफ संकेत देता है कि पर्दे के पीछे की बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है। हालांकि, दोनों ही दलों के शीर्ष नेतृत्व ने इस बैठक को एक अनौपचारिक और पंजाब के ज्वलंत मुद्दों पर आधारित शिष्टाचार भेंट बताया है, लेकिन राजनीति में कोई भी मुलाकात बिना किसी ठोस निहितार्थ के नहीं होती। सुखबीर बादल ने प्रधानमंत्री के सामने भगवंत मान सरकार की कथित प्रशासनिक विफलता, राज्य में चरमराती कानून-व्यवस्था, नशीली दवाओं की बढ़ती समस्या, भर्ती परीक्षाओं में हो रहे पेपर लीक और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के कामकाज में सरकारी हस्तक्षेप जैसे गंभीर मुद्दों को रखा। लेकिन इस रणनीतिक संवाद का असली मकसद पंजाब के शहरी हिंदू मतदाताओं (जो भाजपा की ताकत हैं) और ग्रामीण सिख मतदाताओं (जो अकाली दल का आधार रहे हैं) के पुराने सामाजिक-राजनीतिक गठजोड़ को पुनर्जीवित करना है, जिसने दशकों तक पंजाब को एक स्थिर शासन दिया था। अभी राजनीतिक पंडित इस संभावित 'घर वापसी' के नफा-नुकसान का गणित लगा ही रहे थे कि राहुल गांधी के एक बयान ने राष्ट्रीय और प्रांतीय मीडिया की सुर्खियां बदल दीं। नई पीढ़ी के मतदाताओं और छात्रों के साथ इंस्टाग्राम पर आयोजित एक संवाद सत्र 'आस्क मी एनीथिंग' में जब राहुल गांधी से पूछा गया कि भाजपा में उनका सबसे पसंदीदा राजनेता कौन है, तो उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के कैप्टन अमरिंदर सिंह का नाम लिया। राहुल ने न केवल कैप्टन को बेहद कूल इंसान बताया बल्कि सैन्य इतिहास के क्षेत्र में उनके गहन ज्ञान की भी जमकर तारीफ की और हंसते हुए ₹हेलो, अंकल अमरिंदर₹ कहकर संबोधित किया। पहली नजर में यह एक बेहद अनौपचारिक और मानवीय टिप्पणी लग सकती है, लेकिन जब राजनीति के उच्चतम स्तर पर ऐसा कोई बयान आता है, तो उसके राजनीतिक संदेश बहुत गहरे होते हैं। यह वही कैप्टन अमरिंदर सिंह हैं जिन्हें 2021 में पंजाब विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस आलाकमान ने बेहद अपमानजनक तरीके से मुख्यमंत्री पद से हटाया था, जिसके बाद उन्होंने भारी मन से कांग्रेस छोड़ी और अंततः भाजपा का दामन थाम लिया था। राहुल गांधी का यह 'कैप्टन मोह' ऐसे समय में सामने आया है जब पंजाब कांग्रेस के भीतर अंदरूनी गुटबाजी और कलह एक बार फिर चरम पर है। प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और अन्य गुटों के बीच नेतृत्व को लेकर खींचतान जारी है।

अशोक भाटिया

विश्व के 195 देशों ... — बाबूलाल नागा

न्याय, अधिकार और पहचान के लिए आदिवासी एकता को जोहार !

विश्व आदिवासी दिवस प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को मनाया जाता है, जो आदिवासी समुदायों की संस्कृति, परंपराओं और अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह दिवस आदिवासी लोगों की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिति में सुधार के लिए जागरूकता और समर्थन पैदा करने के लिए मनाया जाता है। यह दिन आदिवासी समुदायों की विविधता और उनकी समृद्ध संस्कृति का जश्न मनाने का एक अवसर है। आदिवासी दिवस आदिवासी लोगों के अधिकारों की वकालत करने और उनके संघर्षों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का दिन है। यह दिन आदिवासी समुदायों की पहचान को मजबूत बनाने और उनकी विरासत को संरक्षित करने में मदद करता है। आदिवासी दिवस आदिवासी मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने और सरकारों और संगठनों से समर्थन प्राप्त करने का अवसर है। यह दिन आदिवासी एकता को बढ़ावा देने और आदिवासी समुदायों के बीच एकता की भावना को मजबूत करने में मदद करता है। आदिवासी लोगों को भारत के मूल निवासी माना जाता है। यह समाज आज भी आर्थिक और शैक्षिक विकास से काफी पीछे है। मूलनिवासी होने के बावजूद, इस समुदाय का समुचित विकास नहीं हो सका। इसे समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए पहली बार वर्ष 1994 में विश्व आदिवासी दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में 23 दिसंबर 1994 को यह प्रस्ताव पारित किया गया कि पूरे विश्व में 9 अगस्त का दिन वैश्विक आदिवासी दिवस के रूप में मनाया जाएगा। वर्ष 1995 से 2004 के दौरान यह दिन विश्व आदिवासी दिवस के पहले अंतरराष्ट्रीय दशक के रूप में मनाया गया। और साल 2005 से 2014 के दौरान विश्व आदिवासी दिवस मनाने का दूसरा अंतरराष्ट्रीय दशक था। आदिवासी लोगों के प्रति सरकार और समाज में जागरूकता बढ़ाने, उनके आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने और उन्हें शैक्षिक, स्वास्थ्य और अन्य सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से यह दिन मनाया जाने लगा। विश्व के 195 देशों में से 90 देशों में 5 हजार विभिन्न आदिवासी समुदाय निवास करते हैं, जिनकी 4 हजार भाषाएं हैं। इसकी जनसंख्या लगभग 47.6 करोड़ हैं, जो विश्व की कुल आबादी का 6.2 प्रतिशत हैं। भारत में आदिवासी समुदाय की संख्या 8.6 प्रतिशत है। यह आंकड़ा 2011 की जनगणना के अनुसार है और यह देश की कुल आबादी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। आदिवासी समुदाय विभिन्न राज्यों में रहते हैं, जिनमें ओडिशा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, झारखंड, अंडमान-निकोबार, सिक्किम, त्रिपुरा, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, नागालैंड और असम प्रमुख हैं। आदिवासी समुदाय पूरे विश्व में फैले हुए हैं और वे अपनी विशिष्ट संस्कृति, भाषा, परंपराओं और जीवनशैली के लिए जाने जाते हैं। लेकिन आदिवासी समुदायों को अक्सर विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जैसे कि भूमि अधिकारों की लड़ाई, सांस्कृतिक विरासत की रक्षा, और सामाजिक और आर्थिक विकास में भागीदारी की कमी। विकास, प्रगति, जनहित, राष्ट्रहित एवं आर्थिक तरक्की जैसे शब्दों का हथियार के रूप में इस्तेमाल करते हुए उनकी जमीन, इलाका और प्राकृतिक संसाधनों को निरंतर कब्जा किया जाता है। इसी मद्देनजर रखते हुए 'विश्व आदिवासी दिवस' मनाने का निर्णय लिया गया, जिसका मूल उद्देश्य है 'आदिवासियों के अधिकार की सुनिश्चितता, सुरक्षा एवं संरक्षण।' इसके अलावा विश्व के 'पर्यावरण संरक्षण' में आदिवासियों के योगदान को भी चिन्हित करना है। आदिवासी सदियों से अपनी पहचान, स्वायत्तता, भाषा, संस्कृति और जमीन, इलाका एवं प्राकृतिक संसाधनों को बचाने हेतु भी सदियों से संघर्षरत हैं। जनहित, राष्ट्रहित एवं विकास के नाम पर आदिवासियों से लाखों एकड़ जमीन छीन ली गई। लाखों हेक्टेयर जंगलों को उजाड़ा गया, हजारों जलस्रोतों को बर्बाद किया गया एवं सैकड़ों पहाड़ों को खोदकर खत्म कर दिया गया। इस तथाकथित विकास प्रक्रिया में लाखों आदिवासियों को विस्थापित, बेखर एवं संसाधन विहीन कर दिया गया। अतः जरूरी है कि विश्व आदिवासी दिवस पर, हमें आदिवासी समुदायों के अधिकारों और संघर्षों के बारे में जागरूक होना चाहिए और उनके साथ एकजुटता दिखानी चाहिए।

इसी प्रकार वित्तीय ... — शिखा अवस्थी

किसान परिवारों को मिला सामाजिक सुरक्षा और संबल

भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले किसान अपने परिश्रम से देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। खेतों में दिन-रात मेहनत करने वाले किसानों का जीवन अनेक प्रकार के जोखिमों से जुड़ा होता है। .षि कार्य के दौरान या दैनिक जीवन में होने वाली आकस्मिक दुर्घटनाएं, सॉप काटना, आकाशीय बिजली आदि घटना होने से कई बार पूरे परिवार को आर्थिक और सामाजिक संकट में डाल देती हैं। ऐसे कठिन समय में यदि परिवार का कमाऊ सदस्य असमय दुर्घटना का शिकार हो जाए, तो उसकी भरपाई संभव नहीं होती, लेकिन आर्थिक सहायता उस परिवार को दोबारा संभलने का संबल अवश्य देती है। इसी संवेदनशील सोच के साथ उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने मुख्यमंत्री .षक दुर्घटना कल्याण योजना संचालित करते हुए किसानों और उनके आश्रित परिवारों को सामाजिक सुरक्षा का मजबूत आधार प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में 14 सितम्बर, 2019 से लागू यह योजना किसानों के हितों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई है। योजना का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि किसी दुर्घटना की स्थिति में किसान परिवार स्वयं को असहाय महसूस न करे। यही कारण है कि यह योजना आज लाखों किसान परिवारों के लिए सुरक्षा और विश्वास का पर्याय बन चुकी है।

इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता इसका व्यापक दायरा है। इसके अंतर्गत केवल खतौनी में दर्ज खातेदार या सहखातेदार ही नहीं, बल्कि उनके परिवार के वे कमाऊ सदस्य भी शामिल हैं जिनकी आजीविका का मुख्य स्रोत .षि आय है। इतना ही नहीं, पट्टे पर या बटाई पर खेती करने वाले भूमिहीन.षकों को भी योजना के दायरे में शामिल किया गया है। इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि खेती से जुड़े प्रत्येक पात्र परिवार को सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिल सके। योजना के अंतर्गत दुर्घटनावश मृत्यु/पूर्ण दिव्यांगता की स्थिति में पात्र परिवार को अधिकतम पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह सहायता कठिन परिस्थितियों में परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने, बच्चों की शिक्षा, घरेलू खर्च और भविष्य की आवश्यकताओं के लिए महत्वपूर्ण सहारा बनती है। प्रदेश सरकार योजना के प्रभावी और पारदर्शी संचालन के लिए लगातार प्रयासरत है। योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु शासन स्तर से समय-समय पर जिलाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए जाते हैं।

जरा हटके

आज भी कई स्थानों ... — आदर अलीव पावेल बन्धु

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना -एक मील का पत्थर

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना उत्तर प्रदेश सरकार की एक महत्वाकांक्षी और दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य समाज में बालिकाओं के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना, उनके जन्म को प्रोत्साहित करना और उनके समग्र विकास को सुनिश्चित करना है। लंबे समय से भारतीय समाज में बेटियों को लेकर कई प्रकार की सामाजिक और आर्थिक चुनौतियां रही हैं। कहीं बेटियों को बोझ समझा जाता था, तो कहीं उनकी शिक्षा को प्राथमिकता नहीं दी जाती थी। इसी सोच को बदलने और बेटियों को समान अवसर प्रदान करने के लिए इस योजना की शुरुआत की गई। यह योजना वर्ष 2019 में प्रारंभ की गई, जिसका लक्ष्य बालिकाओं को जन्म से लेकर उच्च शिक्षा तक आर्थिक सहायता प्रदान करना है। सरकार द्वारा दी जाने वाली यह सहायता बालिका के जीवन के विभिन्न चरणों में दी जाती है, जिससे उसके पालन-पोषण, शिक्षा और विकास में आर्थिक बाधाएं कम हो सकें। योजना के अंतर्गत कुल 25,000 रुपये की सहायता राशि निर्धारित की गई है, जिसे छह अलग-अलग चरणों में सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजा जाता है। यह राशि बढ़कर यानी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से दी जाती है, जिससे पारदर्शिता बनी रहती है और किसी प्रकार की अनियमितता की संभावना कम हो जाती है। इस योजना के तहत बालिका के जन्म के समय 5,000 रुपये की सहायता दी जाती है, जिससे परिवार को प्रारंभिक खर्चों में सहयोग मिलता है। इसके बाद जब बालिका का टीकाकरण पूरा हो जाता है, तब 2,000 रुपये की राशि प्रदान की जाती है। जैसे-जैसे बालिका शिक्षा के विभिन्न चरणों में आगे बढ़ती है, उसे क्रमशः प्रथम कक्षा, छठी कक्षा, नौवीं कक्षा और बारहवीं के बाद उच्च शिक्षा में प्रवेश के समय आर्थिक सहायता दी जाती है। इस प्रकार यह योजना केवल जन्म तक सीमित नहीं है, बल्कि बालिका के भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में निरंतर सहयोग प्रदान करती है। इस योजना का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य समाज में व्याप्त लैंगिक भेदभाव को समाप्त करना है। आज भी कई स्थानों पर बेटा और बेटी के बीच भेदभाव देखा जाता है, जिसके कारण बेटियों को शिक्षा और अवसरों से वंचित रहना पड़ता है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना इस सोच को बदलने का प्रयास करती है और यह संदेश देती है कि बेटियां भी परिवार और समाज की उतनी ही महत्वपूर्ण सदस्य हैं जितने बेटे। जब परिवार को यह विश्वास मिलता है कि सरकार उनके साथ खड़ी है और उनकी बेटी के भविष्य के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान कर रही है, तो वे बेटियों के पालन-पोषण और शिक्षा के प्रति अधिक जागरूक होते हैं। योजना का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं को रोकने में भी सहायक है। जब बालिकाएं शिक्षा प्राप्त करती हैं और उनके भविष्य को लेकर परिवार सजग होता है, तो वे कम उम्र में विवाह करने के बजाय अपनी पढ़ाई पर ध्यान देती हैं। इससे समाज में शिक्षा का स्तर बढ़ता है और बालिकाएं आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ती हैं। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए कुछ पात्रता शर्तें निर्धारित की गई हैं। लाभार्थी बालिका उत्तर प्रदेश की निवासी होनी चाहिए और उसके परिवार की वार्षिक आय 3 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा, एक परिवार की अधिकतम दो बालिकाएं ही इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकती हैं। यदि दूसरी संतान के रूप में जुड़वा बेटियां जन्म लेती हैं, तो दोनों को योजना का लाभ दिया जाता है। यह व्यवस्था सुनिश्चित करती है कि योजना का लाभ वास्तव में जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचे। आवेदन प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाने के लिए इसे ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से उपलब्ध कराया गया है। ऑनलाइन आवेदन के लिए आधिकारिक पोर्टल पर पंजीकरण करना होता है, जहां सभी आवश्यक विवरण भरकर दस्तावेज अपलोड किए जाते हैं। वहीं, ऑफलाइन आवेदन के लिए आंगनवाड़ी केंद्र, ब्लॉक कार्यालय या जिला प्रोबेशन अधिकारी के कार्यालय में जाकर आवेदन किया जा सकता है। इससे उन लोगों को भी सुविधा मिलती है जो डिजिटल माध्यमों का उपयोग करने में सक्षम नहीं हैं। इस योजना का प्रभाव समाज में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। बेटियों के जन्म को लेकर लोगों की सोच में सकारात्मक बदलाव आया है।

अब अधिक से अधिक परिवार बेटियों को शिक्षा दिलाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। स्कूलों में बालिकाओं की उपस्थिति बढ़ी है और वे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रही हैं। इसके साथ ही, यह योजना महिला सशक्तीकरण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि शिक्षित और आत्मनिर्भर महिलाएं ही समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। हालांकि योजना के क्रियान्वयन में कुछ चुनौतियां भी सामने आती हैं।

सपा कार्यकर्ताओं के हाथ-पैर पकड़कर टांगा

एक को गोद में उठा ले गई पुलिस, इथेनॉल के खिलाफ प्रदर्शन करने आए थे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में शनिवार दोहपर 12:15 बजे सपा कार्यकर्ताओं ने इथेनॉल के खिलाफ प्रदर्शन किया। अचानक हजरतगंज चौराहे पर पहुंचकर E-20 इथेनॉल का विरोध करने लगे। हाथों में इथेनॉल के खिलाफ पोस्टर-बैनर लेकर पहुंचे थे। कुछ प्रदर्शनकारी पोस्टर रूपी कुर्ता पहने थे जिसपर गन्ना बना हुआ था। प्रदर्शनकारियों को पुलिस पकड़-पकड़कर बस में बैठाने लगी। इस दौरान जितने हल्के कार्यकर्ता थे, उन्हें एक-एक पुलिसकर्मी ने गोद में उठा लिया और जाकर बस में बैठा दिया। वहीं, दूसरे कार्यकर्ताओं को हाथ-पैर पकड़कर टांग लिया। सभी प्रदर्शनकारी सपा कार्यकर्ताओं को इको गार्डन भेज दिया गया। राम प्रकाश ने कहा कि यह सरकार जनता से जुड़े हर मुद्दे पर संवेदन-

- पुलिस ने एक कार्यकर्ता को उठाया तो वह पलटी मारने लगा।
- कार्यकर्ता सड़क पर लेटकर पुलिस से बचने की कोशिश करते रहे।
- पुलिस ने कार्यकर्ताओं को टांग-टांगकर गाड़ी तक पहुंचाया। इस दौरान पुलिस पर कपड़े फाड़ने का आरोप लगा।

हीन है। अभी तक आम आदमी पेट्रोल और डीजल की महंगे होने से परेशान था अब नई मुसीबत आ गई है। पहले हम लोग पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर संघर्ष कर रहे थे, आम जनता के हित में प्रदर्शन करते थे। अब हम सभी लोगों के सामने अपनी गाड़ियों को बचाने का संकट आ गया है। आज इथेनॉल के खिलाफ लखनऊ में प्रदर्शन कर रहे हैं अगर जरूरत पड़ी तो प्रदेश व्यापी आंदोलन किया जाएगा।

'गाड़ियों को बचाने का संघर्ष'

राम प्रकाश ने कहा कि यह सरकार जनता से जुड़े हर मुद्दे पर संवेदनहीन है। अभी तक आम आदमी पेट्रोल और डीजल की महंगे होने से परेशान था अब नई मुसीबत आ गई है। पहले हम लोग पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर संघर्ष कर रहे थे, आम जनता के हित में प्रदर्शन करते थे।

अब हम सभी लोगों के सामने अपनी गाड़ियों को बचाने का संकट आ गया है।

आज इथेनॉल के खिलाफ लखनऊ में प्रदर्शन कर रहे हैं अगर जरूरत पड़ी तो प्रदेश व्यापी आंदोलन किया जाएगा।

'माइलेज के साथ आदमी का बजट बिगड़ा'

प्रदर्शन में शामिल लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राज साहनी ने कहा कि इथेनॉल की वजह से गाड़ियों का माइलेज बेहद कम हो गया है। इसका सीधा असर आर्थिक रूप से कमजोर और छात्रों पर पड़ रहा है।

यह बहुत बड़ी विडंबना है कि मौजूदा सरकार का शुद्ध पेट्रोल भी नहीं दे रही है। माइलेज के साथ गाड़ियों के इंजन भी खराब हो रहे हैं। गाड़ी में कई तरह की टेक्निकल समस्या आ रही है। विभिन्न प्रकार की परेशानियों की वजह से आम आदमी की जेब पर इसका सीधा असर पड़ रहा है।

यूपी एटीएस ने पकड़ी नकली नोटों की खेप

लखनऊ से कासगंज के 2 तस्कर गिरफ्तार

- 1.01 लाख के 500 रुपए वाले 201 नोट बरामद

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी एटीएस ने भारत-बांग्लादेश सीमा के रास्ते पश्चिम बंगाल से लाई जा रही हाई क्वालिटी की नकली भारतीय करेंसी की तस्करी का खुलासा किया है। एटीएस ने 7 अगस्त को लखनऊ से कासगंज के रहने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके पास से 500-500 रुपए के 201 नकली नोट बरामद हुए, जिनकी कुल कीमत 1 लाख 500 रुपए है। एटीएस के मुताबिक, शुरुआती जांच में नकली नोटों की क्वालिटी काफी बेहतर मिली है। प्रथम दृष्टया ये हाई क्वालिटी के

नकली नोट लग रहे हैं। बरामद नोटों को भारतीय रिजर्व बैंक के मानकों के अनुसार जांच के लिए भेजा जा रहा है। दोनों आरोपियों के खिलाफ एटीएस थाना, लखनऊ में संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। एटीएस ने अजीम खान पुत्र मुजीम खान और राजा उर्फ समीमुल पुत्र स्व. अहमद हसन को गिरफ्तार किया है।

दोनों कासगंज जिले के गंजडुंडवारा थाना क्षेत्र के गणेशपुर गांव के निवासी बताए गए हैं।

फास्ट न्यूज

'10 साल बाद भी नहीं मिला पीएम आवास'

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम में शुक्रवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें लोगों ने अधिकारियों के सामने कई गंभीर समस्याएं रखीं। निशातगंज की भुइंयन देवी गोशाला से 9 गायों को जबरन घसीटकर ले जाने का आरोप लगाया गया। वहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2016 में आवास आवंटित होने के बावजूद 10 साल बाद भी घर नहीं मिलने की शिकायत सामने आई।

पंकज चौधरी-अमरमणि जिंदाबाद के नारे से डरा मधुमिता-सारा का परिवार

लखनऊ। राष्ट्रीय कवयित्री मधुमिता शुक्ला हत्याकांड के मुख्य दोषी पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी की राजनीतिक सक्रियता बढ़ी है। इससे मधुमिता शुक्ला और अमरमणि के बेटे अमनमणि की पत्नी सारा सिंह का परिवार डरा हुआ है। मधुमिता की बहन निधि शुक्ला और सारा सिंह की मां सीमा सिंह ने शुक्रवार को लखनऊ में प्रेसवार्ता कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से न्याय और सुरक्षा की मांग की।

उन्होंने आरोप लगाया कि नौतनवा विधानसभा क्षेत्र में अमरमणि त्रिपाठी और अमनमणि त्रिपाठी के समर्थन राजनीतिक कार्यक्रम हुआ।

आशियाना में स्विफ्ट डिजायर कार में मिला शव

मोहनलालगंज। लखनऊ के आशियाना थाना क्षेत्र में सालेह नगर चौराहे पर गुरुवार रात करीब 11:57 बजे एक लावारिस स्विफ्ट डिजायर कार में एक व्यक्ति का शव मिला। कार को करीब 3 दिन सड़क किनारे खड़ी बताया जा रहा है। कार से जब तेज दुर्गंध आने लगी तो आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर आशियाना पुलिस मौके पर पहुंची।

11 साल की बच्ची से रेप का आरोप

मेडिकल जांच में पुष्टि नहीं, ऑटो चालक गिरफ्तार, जबरदस्ती कर रहा था

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। हजरतगंज में एक ऑटो चालक पर 11 साल की बच्ची से गलत हरकत और रेप का आरोप लगा है। बच्ची के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी ऑटो चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, बच्ची की मेडिकल जांच में दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई है। प्रारंभिक जांच में बच्ची के साथ जबरदस्ती करने और गलत तरीके से छूने (बैड टच) किया था। पुलिस मामले में बच्ची के बयान, मेडिकल रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच कर रही है। पुलिस को दी गई शिकायत के मुताबिक, बच्ची ने अपने पिता को बताया कि आरोपी उनके पिता की गैरमौजूदगी में घर आता था। आरोप है कि इस दौरान वह बच्ची के साथ जबरदस्ती करता और उसे गलत तरीके से छूता था। बच्ची ने विरोध किया तो आरोपी ने उसे डराने-धमकाने की कोशिश की। डर के कारण बच्ची ने घटना की जानकारी तत्काल अपने पिता को नहीं दी। मेडिकल रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि नहीं होने के बावजूद बच्ची के लगाए गए जबरदस्ती और गलत तरीके से छूने के आरोपों को पुलिस ने जांच में शामिल किया है। शिकायत मिलने के बाद हजरतगंज पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की।

यूपी में शहरी श्रमिकों के कल्याण को नई दिशा

एसटीसी और सीजीएफ के बीच पांच साल का समझौता

- असंगठित श्रमिकों, प्रवासी मजदूरों और वंचित शहरी समुदायों के लिए विकसित होगा एकीकृत सेवा प्रदाय मॉडल, स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ा जाएगा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में शहरी असंगठित श्रमिकों, प्रवासी मजदूरों और अन्य वंचित शहरी समुदायों के स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा एवं समग्र कल्याण को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। राज्य सरकार के State Transformation Commission (STC) और सम्यक-कलेक्टिव गुड फाउंडेशन (CGF) के बीच योजना भवन, लखनऊ में पांच वर्षों की अवधि के लिए समझौता पत्र (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी के तहत नवाचार आधारित और साक्ष्य-आधारित समाधान विकसित किए जाएंगे, इस पहल का मुख्य उद्देश्य उन श्रमिकों और समुदायों तक आवश्यक सेवाएं पहुंचाना है, जो असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं और अक्सर स्वास्थ्य सुविधाओं, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तथा अन्य सरकारी सेवाओं का पर्याप्त लाभ नहीं ले पाते हैं।

एकीकृत श्रमिक कल्याण केंद्र और हेल्थ पॉइंट्स होंगे स्थापित

प्रस्तावित मॉडल के तहत एकीकृत श्रमिक कल्याण केंद्र (Integrated Labour Welfare Centres), लेबर अड्डा हेल्थ पॉइंट्स (Labour Adda Health Points) और मोबाइल मेडिकल यूनिट्स (Mobile Medical Units) स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है। इन केंद्रों और यूनिट्स के माध्यम से श्रमिकों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके साथ ही कार्यस्थल से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान और उपचार के लिए व्यावसायिक स्वास्थ्य (Occupational Health) सेवाएं भी प्रदान की जाएंगी।

लेबर अड्डों का किया गया विस्तृत आकलन

इस साझेदारी की दिशा में लखनऊ स्थित विभिन्न लेबर अड्डों का विस्तृत आकलन किया गया है। इस दौरान असंगठित श्रमिकों की आवश्यकताओं, उनके सामने आने वाली चुनौतियों और मौजूदा सेवाओं में मौजूद अंतराल का अध्ययन किया गया। अध्ययन से प्राप्त जानकारी के आधार पर एक एकीकृत सेवा प्रदाय (Integrated Service Delivery) मॉडल विकसित किया गया है।

तकनीक के माध्यम से होगी स्वास्थ्य जांच

पहल के अंतर्गत श्रमिकों में व्यावसायिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं की समयबद्ध पहचान पर भी विशेष जोर दिया जाएगा। इसके लिए प्रौद्योगिकी आधारित स्वास्थ्य जांच और स्क्रीनिंग की व्यवस्था को बढ़ावा दिया जाएगा। प्रक्रियाओं (SOPs) और प्रोटोकॉल विकसित किए जाएंगे।

इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों को मिलेगा करियर और प्रतियोगी परीक्षाओं का मार्गदर्शन

आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अधिकारी हर माह विद्यार्थियों से करेंगे संवाद

- अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने दिए प्रभावी अनुश्रवण के निर्देश, मंडलायुक्त कार्यक्रमों की समय-समय पर करेंगे समीक्षा।
- जिला विद्यालय निरीक्षक विद्यालयों और अधिकारियों के बीच बनाएंगे समन्वय, औपचारिक भाषण की जगह सहभागितापूर्ण चर्चा और प्रश्नोत्तर पर जोर।

तमसा सकेंत, संवाददाता

> निर्देशों के अनुसार जिलाधिकारी प्रत्येक माह इन कार्यक्रमों का कैलेंडर तैयार करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि जिले में तैनात सभी युवा अधिकारी पूरी मनोयोग से इस पहल में भाग लें। प्रत्येक जिले को आयोजित कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण तैयार कर प्रत्येक माह की 05 तारीख तक शासन के माध्यमिक शिक्षा विभाग को उपलब्ध कराना होगा। रिपोर्ट में विद्यालय भ्रमण की संख्या, विद्यालय का नाम, कार्यक्रम में शामिल अधिकारी, संवाद के प्रमुख विषय और विद्यार्थियों से प्राप्त सुझावों को शामिल किया जाएगा। जिलाधिकारियों को कार्यक्रमों की गुणवत्ता की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा करने तथा अपने स्तर से नवाचार करने के लिए भी स्वतंत्र किया गया है।

लखनऊ। प्रदेश के युवाओं के सर्वांगीण विकास, उनकी क्षमताओं के समुचित उपयोग और उच्च शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, रोजगार एवं उद्यमिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने नई पहल शुरू की है। इसके तहत भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS), भारतीय पुलिस सेवा (IPS) एवं भारतीय वन सेवा (IFS) के युवा अधिकारी इंटरमीडिएट स्तर के विद्यार्थियों के साथ नियमित संवाद कर उन्हें प्रेरित करेंगे और करियर संबंधी मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण के लिए महानिदेशक, स्कूल शिक्षा, उत्तर प्रदेश, लखनऊ को प्रभावी अनुश्रवण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही समस्त मंडलायुक्तों को निर्देशित किया गया है कि वे उक्त कार्यक्रम की समय-समय पर अपने स्तर पर समीक्षा करें। निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश, समस्त मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) तथा समस्त जिला विद्यालय निरीक्षकों को भी निर्देश जारी किए गए हैं। जिला विद्यालय निरीक्षकों से अपेक्षा की गई है कि वे संबंधित विद्यालयों को कार्यक्रम के संबंध में अपने स्तर से अवगत कराएं तथा संबंधित अधिकारी और विद्यालय के प्रबंध तंत्र के बीच आवश्यक समन्वय स्थापित कराएं, ताकि कार्यक्रम का सुचारु एवं प्रभावी संचालन सुनिश्चित हो सके। अपर मुख्य सचिव, माध्यमिक शिक्षा, पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन की ओर से सभी जिलाधिकारियों को जारी निर्देश में कहा गया है कि प्रत्येक जिले में तैनात IAS, IPS और IFS के युवा अधिकारी हर माह कम से कम एक इंटरमीडिएट स्तर के विद्यालय का भ्रमण कर विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित करें। इस दौरान अधिकारियों के अनुभव, कार्यशैली और जीवन संघर्ष विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगे, वहीं संवाद के माध्यम से विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उनकी आकांक्षाओं को सही दिशा देने में मदद मिलेगी। इन कार्यक्रमों में सहभागितापूर्ण चर्चा और प्रश्नोत्तर को प्राथमिकता दी जाएगी। विद्यार्थियों को अधिकारियों से सीधे संवाद का अवसर मिले, ताकि वे अपने भविष्य, करियर और प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े सवाल पूछ सकें। संवाद कार्यक्रमों में जीवन का लक्ष्य निर्धारण एवं करियर नियोजन, प्रभावी अध्ययन पद्धति, समय प्रबंधन एवं आत्मानुशासन जैसे विषयों पर चर्चा की जा सकती है। इसके साथ ही UPSC, UPPSC, UPSSSC, SSC, NDA, IIT-JEE, NEET, CUET, राज्य स्तरीय पात्रता परीक्षाओं तथा उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में भी विद्यार्थियों को जानकारी और मार्गदर्शन दिया जाएगा।

डंपर ने मिड-डे मील वाहन को टक्कर मारी

लखनऊ रिंग रोड पर दुर्घटना, सहायक घायल, बच्चों का भोजन बिखरा

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा। लखनऊ रिंग रोड पर शनिवार सुबह 10:30 बजे एक डंपर ने मिड-डे मील ले जा रहे छोटा हाथी वाहन को टक्कर मार दी। यह दुर्घटना काकोरी थाना क्षेत्र के चिलौली अंडरपास के ऊपर करीब 8 बजे हुई। टक्कर लगने पर छोटा हाथी वाहन पलट गया, जिससे उसमें रखा मिड-डे मील और उसके बर्तन सड़क पर बिखर गए। हादसे में छोटा हाथी वाहन का सहायक राहुल (35) निवासी गद्दीमनखेड़ा थाना सरोजनीनगर घायल हो गया। उसे तुरंत एंबुलेंस की मदद से टीएस मिश्रा अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के अनुसार, इस दुर्घटना में अन्य किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। सड़क पर पूरा खाना बिखर गया। छोटा हाथी वाहन से बख्शी का तालाब क्षेत्र के कई सरकारी स्कूलों में मिड-डे मील

पहुंचाया जाता है सड़क पर पूरा खाना बिखर गया। छोटा हाथी वाहन से बख्शी का तालाब क्षेत्र के कई सरकारी स्कूलों में मिड-डे मील पहुंचाया जाता है।

बख्शी का तालाब की ओर ले जाया जा रहा था भोजन पुलिस ने बताया कि डंपर (संख्या UP79 AT 7688) महोबा से लखीमपुर खीरी जा रहा था, जिसे सीतापुर निवासी सतीश कुमार (40) चला रहे थे। वहीं, मिड-डे मील ले जा रहा छोटा हाथी (संख्या UP32 LN 0585) अमौसी से बख्शी का तालाब की ओर जा रहा था।

पुष्पवर्षा : सीएम योगी ने हेलिकॉप्टर से की पुष्पवर्षा, 'हर-हर बम-बम' के उद्घोष से गूंजा पश्चिमी यूपी

कांवड़ियों पर बरसे श्रद्धा के पुष्प

तमसा सकेंत, संवाददाता

मेरठ। श्रावण मास की दशमी तिथि पर मेरठ में शिवभक्त कांवड़ यात्रियों पर श्रद्धा और सम्मान के पुष्प बरसाए गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हेलिकॉप्टर से कांवड़ मार्ग का अवलोकन करते हुए शिवभक्तों पर पुष्पवर्षा की। इस दौरान गोरक्षपीठाधीश्वर के साथ रामायण धारावाहिक में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले मेरठ के सांसद अरुण गोविल समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी कांवड़ यात्रियों पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाकर उनकी आस्था का सम्मान किया। हेलिकॉप्टर से पूरे कांवड़ मार्ग पर भी पुष्पवर्षा की गई। कांवड़ यात्रियों के 'हर-हर, बम-बम' के जयघोष से पश्चिमी उत्तर प्रदेश का माहौल पूरी तरह शिवमय नजर आया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश सरकार की ओर से

झांकी में दिखे बाबा के गण के अलग-अलग स्वरूप

कांवड़ यात्रा के दौरान निकाली गई झांकी भी आकर्षण का केंद्र रही। इसमें 'बाबा के गण' अलग-अलग स्वरूपों में नजर आए। कोई भगवान भोलेनाथ की भक्ति में झूमता दिखाई दिया तो कोई भगवान कार्तिकेय और गणेश के स्वरूप में शिव परिवार के प्रति श्रद्धा व्यक्त करता नजर आया।

चार से साढ़े चार करोड़ शिवभक्तों के शामिल होने का अनुमान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि श्रावण मास की पावन कांवड़ यात्रा अब अपने चरम की ओर बढ़ रही है। शिवभक्त हरिद्वार की हर की पैड़ी से गंगाजल लेकर विभिन्न पवित्र शिवालयों में जलाभिषेक के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस यात्रा से लाखों शिवभक्त जुड़े हैं। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि गाजियाबाद से हरिद्वार के बीच करीब चार से साढ़े चार करोड़ शिवभक्त सावन की शिवरात्रि तक कांवड़ यात्रा में शामिल होकर गंगाजल लेकर अपने-अपने गंतव्य स्थित पवित्र शिवालयों में जलाभिषेक करेंगे।

सभी शिवभक्त कांवड़ यात्रियों का स्वागत और अभिनंदन किया। उन्होंने कांवड़ यात्रा को भक्ति, समर्पण, सामाजिक एवं राष्ट्रीय एकता और समरसता का अनुपम उदाहरण बताया।

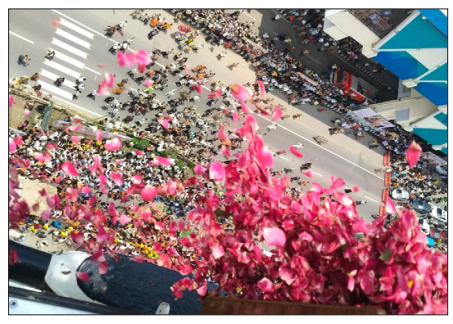

बुद्धेश्वर मंदिर परिसर से नहीं हटाईं मृत मछलियां

तेज दुर्गंध के बीच श्रद्धालु कर रहे पूजा, सफाई निरीक्षक बोले- कर्मचारी भेज रहे

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा। पारा के बुद्धेश्वर मंदिर परिसर के सीताकुंड में बड़ी संख्या में मछलियों के मरने के बाद उन्हें दूसरे दिन शनिवार को भी वहां से नहीं हटाया गया। इससे लोगों और व्यापार मंडल में नगर निगम के प्रति नाराजगी बढ़ रही है। 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद मृत मछलियां कुंड के किनारे और पत्थरों पर पड़ी रहीं। इससे मंदिर परिसर में तेज दुर्गंध फैल गई है, जिससे दर्शन-पूजन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं और आसपास के दुकानदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मछलियों के मरने की जानकारी के बाद स्थानीय लोगों और व्यापार मंडल के

- सीताकुंड के किनारे मृत मछलियां शनिवार को सड़ गईं। तेज दुर्गंध आने लगी।

पदाधिकारियों ने नगर निगम को सूचना दी थी। उसके बाद नगर निगम को सूचना दी थी। इस मामले में नगर निगम के सफाई निरीक्षक रामचंद्र यादव ने कहा- सीताकुंड में ऑक्सीजन की कमी के कारण हर साल मछलियों के मरने की समस्या सामने आती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मंदिर में शिवलिंग पर चढ़ाए जाने वाले पदार्थ सीधे तालाब में जाने से पानी में ऑक्सीजन की कमी होती है, जिससे मछलियों की मौत होती है। उन्होंने जल्द ही सफाई कर्मचारियों को भेजकर मृत मछलियों को हटवाने और कुंड की सफाई कराने का आश्वासन दिया था। बुद्धेश्वर व्यापार मंडल के महामंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि बुद्धेश्वर मंदिर एक प्रमुख धार्मिक स्थल है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। ऐसे में मंदिर परिसर में मृत मछलियों का पड़ा रहना और दुर्गंध फैलना अस्वीकार्य है।

हिन्दी दैनिक
तमसा संकेत
www.tamsasanket.com
tamsasanketnews24@gmail.com
पश्चिमी उत्तर प्रदेश
अम्बेडकरनगर, रविवार 09 अगस्त 2026

युवक पर कुल्हाड़ी से 10 से ज्यादा वार

कानपुर में घर में घुसे बदमाश बोले- तुम्हारे पास बहुत जेवर हैं, हमें दे दो, पत्नी को भी लहूलुहान किया

मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में शुक्रवार देर रात घर में घुसे 2 बदमाशों ने 30 साल के युवक की हत्या कर दी। उन्होंने कुल्हाड़ी से 10 से ज्यादा वार कर उसे मार डाला। पत्नी बचाने आई तो बदमाशों ने लात-घूंसों से उसकी बुरी तरह पिटाई कर दी। इसके बाद बदमाश घर से खड़ी बाइक, ज्वेलरी और कैश लूटकर फरार हो गए। वारदात जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर साढ़ थाना क्षेत्र के देवसढ़ गांव में हुई। लूट के बाद बदमाश घर में लगे करीब 6 CCTV कैमरों की DVR भी अपने साथ ले गए। बदमाशों के जाने के बाद खून से लथपथ महिला चार महीने की बच्ची गोद में लेकर

चिल्लाते हुए बाहर निकली। आवाज सुनकर ग्रामीण पहुंचे लेकिन बदमाश भाग चुके थे। परिजन युवक को बिधनू CHC लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल महिला को हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वारदात की सूचना मिलने के बाद साढ़ और बिधनू पुलिस करीब 45 मिनट तक सीमा विवाद में उलझी रही। बाद में DCP साउथ ACP और पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से घटना की जानकारी ली। हैलट अस्पताल में भर्ती शाहजहां ने बताया- रात में खाना खाने के बाद हम लोग सोने चले गए। करीब 12 बजे अचानक छत से दो बदमाश घर में घुस आए। सभी ने चेहरे पर काले कपड़े बांध रखे थे। बदमाशों ने मुझे पकड़ लिया और पति से कहा कि तुम्हारे पास जो जेवर हैं, दे दो। इसके बाद पति पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। फिर मुझे भी मारना शुरू कर दिया। बदमाश बार-बार कह रहे थे कि तुम लोगों के पास बहुत जेवर हैं, दे दो। मैंने कहा- मेरे पास जेवर होते तो हम लोग जंगल में पड़े होते। बच्ची अलग पड़ी थी। घटनास्थल पर जांच के लिए डॉग स्क्वायड की टीम पहुंची। डॉग

- खून से लथपथ महिला चिल्लाते हुए बाहर भागी, लोग जबतक आते बदमाश भाग चुके थे।
- बदमाशों को ट्रेस करने के लिए डॉग स्क्वायड भी पहुंचा। फॉरेंसिक टीम ने अहम सबूत जुटाए।

पति-पत्नी खेत में मकान बनाकर रह रहे थे

साढ़ थाना क्षेत्र के देवसढ़ गांव निवासी 30 वर्षीय मुमताज उर्फ कल्लू पराग डेयरी की गाड़ी चलाते थे। वह अपनी पत्नी शाहजहां और 4 महीने की बेटी के साथ परिवार से अलग खेत में मकान बनाकर रहते थे। उनका पुराना घर गांव में ही करीब 1 किलोमीटर दूर है। पत्नी ने बताया- वह पहले सऊदी अरब रह चुके हैं। वहां से आने के बाद यहीं ड्राइविंग का काम करने लगे थे।

- पत्नी ने कहा- दो बदमाशों ने पति को कुल्हाड़ी से काट डाला।

पहले बिधनू नहर की ओर गया। इसके बाद घटनास्थल से करीब 1 किलोमीटर दूर गांव के ही वीरेंद्र सिंह के घर में घुस गया।

थाना समाधान दिवस में नौ शिकायतें मिलीं

चार मामलों का मौके पर निस्तारण

तमसा संकेत, संवाददाता

गोवर्धन। थाना गोवर्धन में शनिवार को आयोजित थाना समाधान दिवस में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत और अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) डॉ. अमरेश कुमार ने संयुक्त रूप से जनसुनवाई की। इस दौरान क्षेत्रीय लोगों की ओर से कुल नौ शिकायती प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए गए।

सुनवाई के दौरान एक मामले में पूर्व में राजस्व एवं पुलिस प्रशासन द्वारा विधिक प्रक्रिया के तहत कब्जा दिलाए जाने के बावजूद दोबारा सीमांकन तोड़कर अतिक्रमण करने पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। वहीं, दोनों पक्षों से वार्ता कर तीन अन्य मामलों का मौके पर ही समाधान कराया गया।

शेष मामलों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीमें गठित की गईं। अधिकारियों ने संबंधित टीमों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का निष्पक्षता और समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

फास्ट न्यूज

टायर फटने से दो ट्रकों में लगी आग

सीतापुर। सीतापुर के खैराबाद थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर करीब 2 बजे नेशनल हाईवे 30 के किनारे ले-बाई रोड पर अचानक टायर फटने से एक ट्रक की डीजल टंकी फट गई। इसके बाद दोनों ट्रकों में आग लग गई। आग की चपेट में आने से दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत रही कि हादसे के समय दोनों ट्रक खाली थे और घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश से यमुना का बढ़ा जलस्तर

मथुरा। पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश के चलते यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने लगा है। इसे देखते हुए मथुरा प्रशासन अलर्ट हो गया है। जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह ने शनिवार सुबह 11 बजे अधिकारियों के साथ बैठक कर यमुना के जलस्तर और बाढ़ की आशंका की समीक्षा की। डीएम ने अधिकारियों को यमुना के जलस्तर पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए। नदी किनारे बसे गांवों में राजस्व और प्रशासन की टीमें सक्रिय रहेंगी। जलस्तर में ज्यादा बढ़ोतरी होने पर तुरंत उच्च अधिकारियों को सूचना देने को कहा गया है।

अमानवीय कृत्य और मारपीट के 10 आरोपी गिरफ्तार

सोनभद्र। सोनभद्र में बभनी थाना क्षेत्र के करकच्छी गांव में युवक के साथ मारपीट और अमानवीय कृत्य के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक, छेड़खानी की बात को लेकर एक युवक को रास्ते से जबरन घर में ले जाकर बंधक बनाने, मारपीट करने और अपमानित करने का आरोप है।

गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है।

मकान गंगा नदी में समाया

काशी में रत्नेश्वर महादेव मंदिर आधा डूबा, आगरा में बारिश के बीच 2 मंजिला मकान गिरा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर। यूपी में पिछले 25 दिनों से हो रही जोरदार बारिश से और बाढ़ की वजह से हालात बिगड़ने लगे हैं। फर्रुखाबाद में गंगा खतरे के निशान के करीब बह रही है। किनारों पर कटान की वजह से शनिवार को एक मकान नदी में समा गया। पिछले 2 दिनों में 8 घर नदी में समा चुके हैं। 10 से ज्यादा गांवों के चारों तरफ पानी भर जाने से उनका संपर्क टूट गया है। लोग नाव, बैलगाड़ी और ट्रैक्टर के सहारे आवाजाही करने को मजबूर हैं। काशी में गंगा नदी का पानी मणिकर्णिका घाट तक पहुंच गया है। सभी 84 घाटों की सीढ़ियां डूब गई हैं। उनका आपस में संपर्क टूट गया है। रत्नेश्वर महादेव मंदिर आधा डूब गया है। बलिया में 27 घर सरयू नदी में समा चुके हैं। बिजनौर में पिछले 10 दिनों से गंगा का पानी स्टेट हाईवे के ऊपर से बह रहा है। आधा दर्जन गांव टापू बन गए हैं। इससे पहले, शनिवार को नोएडा,

- फर्रुखाबाद में 30 से ज्यादा गांव बाढ़ की चपेट में हैं। लोग आवाजाही के लिए ट्रैक्टर और नाव का सहारा ले रहे हैं।
- बिजनौर में स्टेट हाईवे के ऊपर से गंगा नदी का पानी बह रहा है। सड़क पर कुछ जगहों पर 2-3 फीट पानी भरा है।

झांसी और उन्नाव समेत 10 शहरों में बारिश हुई। लखनऊ, गोरखपुर और आगरा समेत 50 शहरों में बादल छाए रहे। हालांकि, दिन चढ़ने के साथ धूप निकल आई। आज 66 जिलों में बारिश का अलर्ट है। झांसी और जालौन समेत 7 शहरों में भारी बारिश के आसार हैं। शुक्रवार की बात करें तो 70 शहरों में मूसलाधार बारिश हुई। गाजियाबाद-नोएडा में हाईवे और सड़कें तालाब बन गईं। गली-मोहल्लों में 4 फीट तक पानी भर गया। नोएडा के अंडरपास में एंबुलेंस फंस गई। आगरा में बारिश के बीच दो मंजिला मकान गिर गया। गनीमत रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। मिर्जापुर में 8 फीट लंबा मगरमच्छ दिखने से गांव में दहशत फैल गई। वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ को रेस्क्यू कर नदी में छोड़ दिया। मिर्जापुर में 8 फीट लंबा मगरमच्छ दिखने से गांव में दहशत फैल गई। वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ को रेस्क्यू कर नदी में छोड़ दिया। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- पश्चिमी यूपी और उसके आसपास बने हवा के दबाव की वजह से कई इलाकों में भारी बारिश हो रही है।

महापौर-पार्षद विवाद में संगठन करेगा फैसला

क्षेत्रीय अध्यक्ष बोले-कोर ग्रुप की बैठक में होगा निर्णय, दोनों गुट मिलने पहुंचे

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। भाजपा पार्षद दल की तिरंगा यात्रा बैठक में मेयर प्रमिला पांडेय ने अपने संबोधन में पार्षदों को लेकर बुधवार को कहा था कि कोई भी पार्षद बागी नहीं है, सभी हमारे बच्चे हैं। इसके बाद चार पार्षद बैठक छोड़कर बाहर निकल गए। इन पार्षदों का कहना है कि संगठन की बैठक में विषय से हटकर इस तरह की बातें नहीं करनी चाहिए थी। मेयर और पार्षदों ने बाद में कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्रीय अध्यक्ष राम प्रकाश साहू से अलग-अलग मुलाकात कर अपनी-अपनी बात रखी। ने इस पूरे मामले पर क्षेत्रीय अध्यक्ष राम प्रकाश साहू से बातचीत की। उन्होंने कहा कि मेयर और पार्षद, दोनों ही उनसे मिलने आए थे, लेकिन इस मामले में कोई एक व्यक्ति या क्षेत्रीय अध्यक्ष फैसला नहीं कर सकता। उन्होंने कहा- संगठन की कोर ग्रुप समिति की बैठक में दोनों पक्षों की बात

टेबल पर रखी जाएगी। सभी की बात सुनने के बाद जो निर्णय कोर ग्रुप करेगा, वही संगठन का अंतिम फैसला होगा। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष ने संगठन के भीतर चल रही चर्चाओं और मतभेदों पर राम प्रकाश साहू ने कहा कि पार्टी में व्यक्ति नहीं, बल्कि संगठन सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि संगठन की हर बैठक में सभी कार्यकर्ताओं को सूचना दी जाएगी और जो आएंगे उनका स्वागत किया जाएगा। जो किसी कारण से नहीं आ पाएंगे, उनसे भी संगठन से जुड़ने का आग्रह किया जाएगा। उन्होंने कहा, ₹सरकार किसे बुलाती है या नहीं बुलाती, निगम किसे बुलाता है या नहीं बुलाता, विधायक किसे बुलाते हैं या नहीं बुलाते, यह उनका व्यक्तिगत विषय है।

'मतभेद हो सकते हैं, फैसला कोर ग्रुप करेगा'

क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन सभी विवाद संगठन की तय प्रक्रिया के तहत ही सुलझाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि किसी भी शिकायत या नीतिगत विषय पर फैसला भाजपा के कोर ग्रुप में होगा। उन्होंने कहा कि कोर ग्रुप में दोनों जिलाध्यक्ष, छह महामंत्री, वर्तमान विधायक, सांसद, नगर निगम की चेयरमैन, निवर्तमान जिलाध्यक्ष और 2022 व 2024 के चुनाव लड़ चुके प्रत्याशी शामिल हैं। यदि किसी को शिकायत है तो वह इसी मंच पर अपनी बात रखे। कोर ग्रुप जो निर्णय करेगा, वही सभी के लिए मान्य होगा।

भाजपा वैचारिक संगठन, व्यक्ति का नहीं

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक वैचारिक संगठन है, जहां व्यक्ति से ज्यादा संगठन और उसकी कार्यपद्धति का महत्व है। अपनी बात कहने और मिलने का अधिकार है। भाजपा लोकतांत्रिक पार्टी है।

ट्रक में बैग फंसने से स्कूटी सवार युवती की मौत

चकेरी में 20 मीटर तक घीसटती गई, पेट्रोल पंप पर ट्रक छोड़कर भागा ड्राइवर, युवक गंभीर

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। चकेरी थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार 25 वर्षीय युवती की मौत हो गई, जबकि उसके साथ मौजूद सहकर्मी युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा उस समय हुआ जब पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक में युवती का बैग फंस गया। इसके बाद स्कूटी अनियंत्रित हो गई और दोनों सड़क पर करीब 20 मीटर तक घिसटते चले गए। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन को कोयला नगर स्थित एक पेट्रोल पंप पर छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। वहीं, मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। चकेरी निवासी रामबाबू चौरसिया एक निजी कंपनी में काम करते हैं। परिवार

में उनके चार बेटे मनीष, छोटू, बउआ और आशीष के अलावा बेटी नेहा थी। 25 वर्षीय नेहा रावतपुर स्थित एक पैथोलॉजी में काम करती थी। नेहा के मामा शिवकुमार ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे नेहा अपने सहकर्मी आशीष के साथ स्कूटी से घर लौट रही थी। आशीष स्कूटी चला रहा था, जबकि नेहा पीछे बैठी हुई थी। बताया गया कि दोनों देहली सुजानपुर पुलिस चौकी के पास पहुंचे ही थे, तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रक की चपेट में नेहा का बैग आ गया। बैग ट्रक में फंसते ही स्कूटी का संतुलन बिगड़ गया और दोनों सड़क पर गिर गए। ट्रक की चपेट में आने के बाद नेहा और आशीष करीब 20 मीटर तक सड़क पर घिसटते चले गए। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों ने पुलिस और परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही चकेरी पुलिस के साथ परिजन मौके पर पहुंचे। दोनों घायलों को तत्काल कोयला नगर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने दोनों का इलाज शुरू किया, लेकिन नेहा की हालत गंभीर बनी रही। करीब रात 12 बजे इलाज के दौरान नेहा ने दम तोड़ दिया। वहीं, हादसे में घायल आशीष की हालत भी गंभीर बताई जा रही है और उसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके पर रुकने के बजाय ट्रक लेकर वहां से निकल गया। बाद में उसने कोयला नगर स्थित एक पेट्रोल पंप पर ट्रक

खड़ा किया और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को बरामद कर अपने कब्जे में ले लिया है। चकेरी इंस्पेक्टर अजय प्रकाश मिश्रा ने बताया कि हादसे में युवती की मौत हुई है, जबकि एक युवक घायल है। ट्रक को जब्त कर लिया गया है और चालक की तलाश की जा रही है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। नेहा की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि हादसे की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सके और फरार चालक की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया जा सके।

विपिन हत्याकांड का खुलासाः मुठभेड़ में दो आरोपी गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा/छाता। थाना छाता पुलिस और सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए विपिन हत्याकांड का खुलासा किया है। पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान हत्या के मामले में वांछित दो आरोपियों विक्रम और अमन को गिरफ्तार किया। दोनों के कब्जे से दो अवैध तमंचे .315 बोर, तीन जिंदा व पांच खोखा कारतूस, घटना में प्रयुक्त बांका तथा मारुति स्विफ्ट कार बरामद की गई। पुलिस ने मामले में एक महिला सह-अभियुक्ता को भी उसके घर से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, नीमगांव निवासी विपिन (20) चार अगस्त को मोटरसाइकिल से संस्कृति यूनिवर्सिटी, छाता जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजनों की शिकायत पर थाना छाता में गुमशुदगी दर्ज कर सर्विलांस टीम की मदद से उसकी तलाश शुरू की गई। पांच अगस्त को थाना जैत क्षेत्र

के धौरेरा गांव के जंगल स्थित एक खंडहरनुमा कोठरी में विपिन का शव मिला था। उसकी गला रेतकर हत्या की गई थी। मामले में अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस को आरोपियों के संबंध में अहम सुराग मिले। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने सात अगस्त की रात गोवर्धन-छाता मार्ग पर रनवारी गांव से करीब एक किलोमीटर पहले घेराबंदी की। पुलिस के मुताबिक, बिना नंबर की स्विफ्ट कार से आ रहे आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई के दौरान विक्रम और अमन को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि तेजपाल उर्फ नेहनू मौके से फरार हो गया।

पृष्ठ 01 का शेष...

सिर्फ सवाल मत ...

उन्होंने कहा कि उस समय उन्होंने छात्रों के साथ ऑनलाइन जुड़कर दीक्षांत समारोह में भाग लिया था, लेकिन आज उनके बीच स्वयं उपस्थित होकर उन्हें बेहद खुशी हो रही है। प्रधानमंत्री ने छात्रों की ओरिएंटेशन से लेकर दीक्षांत समारोह तक की यात्रा को याद किया। उन्होंने कहा कि इस दौरान छात्रों ने कई अनुभव हासिल किए होंगे और उनके सामने अब जीवन का एक नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। उन्होंने आईआईटी दिल्ली के हॉस्टल जीवन की यादों का भी जिक्र किया। कुमाऊं, आरा, कारा, विंधी, नीलगिरी, कैलाश और हिमाद्री जैसे छात्रावासों के बीच की दोस्ताना प्रतिद्वंद्विता तथा जिया सराय के पोहा और सतपुरा मेस के पराठों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भविष्य में जब छात्रों के ऊपर बड़ी जिम्मेदारियां होंगी, तब परिसर की ये यादें उन्हें ऊर्जा देंगी। उन्होंने छात्रों से अपने सहपाठियों, प्रोफेसरों, मार्गदर्शकों और संस्थान के सहयोगी कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करने की भी अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये लोग जीवनभर की संपत्ति हैं और भविष्य की सफलता में इनका योगदान हमेशा याद रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में सवाल पहले से तय पाठ्यक्रम के भीतर होते हैं, लेकिन वास्तविक जीवन की सबसे बड़ी चुनौतियां किसी पाठ्यक्रम के अनुसार नहीं आतीं। इसलिए युवाओं को केवल पहले से मौजूद समस्याओं के समाधान तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने छात्रों से ऐसी समस्याओं को पहचानने का आह्वान किया जिन्हें समाज ने लंबे समय से स्वीकार कर लिया है और जिन पर सवाल उठाना भी बंद कर दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कई सफल लोगों ने उन्हीं समस्याओं को पहचाना और उनका समाधान खोजा, जिन्हें दुनिया ने समस्या मानना ही छोड़ दिया था।प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौर को याद करते हुए कहा कि उस समय देशवासियों के सामने स्वतंत्रता प्राप्त करना सबसे बड़ा लक्ष्य था। इस लक्ष्य के लिए लोगों ने त्याग और बलिदान किया। उन्होंने वर्तमान पीढ़ी से अगले तीन दशकों को देश के विकास के लिए समर्पित करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि युवाओं को अपने करियर के साथ देश की आवश्यकताओं को भी जोड़ना चाहिए। उनके प्रत्येक बड़े निर्णय में यह विचार होना चाहिए कि उससे देश को क्या लाभ मिलेगा और कौन सी राष्ट्रीय आवश्यकता पूरी होगी। प्रधानमंत्री ने देश में आत्मनिर्भरता की दिशा में हो रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि आर्थिक, तकनीकी और औद्योगिक क्षेत्रों में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने ऐसे कई क्षेत्रों को युवाओं के लिए खोला है, जो पहले सीमित दायरे में थे। उन्होंने अंतरिक्ष क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि आज युवा इंजीनियर अपने रॉकेट डिजाइन और लॉन्च कर रहे हैं। जो क्षेत्र कभी कुछ चुनिंदा देशों तक सीमित था, वह अब भारत के हजारों युवाओं के लिए नए अवसर पैदा कर रहा है। प्रधानमंत्री ने सेमीकंडक्टर निर्माण में हो रही प्रगति का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत में चिप निर्माण की दिशा में शुरुआती उत्पादन इकाइयां काम कर रही हैं और इससे देश में आत्मविश्वास बढ़ा है। प्रधानमंत्री ने ड्रोन तकनीक में युवाओं की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि युवा नवप्रवर्तक कृषि, चिकित्सा और राष्ट्रीय सुरक्षा समेत विभिन्न क्षेत्रों में ड्रोन तकनीक के नए इस्तेमाल विकसित कर रहे हैं। उन्होंने भारत की स्टार्टअप क्रांति का उल्लेख करते हुए कहा कि यूनिकॉर्न कंपनियों, डिजिटल भुगतान और फिनटेक के विस्तार ने युवाओं के लिए उद्यमिता के नए अवसर पैदा किए हैं। इन बदलावों के कारण लाखों युवाओं को कुछ नया करने का अवसर मिला है।

रील 21वीं सदी...

भारत में करीब 40 करोड़ युवा हैं। यही देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। चीन की चर्चा होती है, लेकिन भारत के युवाओं के सामने उसकी ताकत कुछ भी नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि परिवारों से लाखों करोड़ रुपए लिए जाते हैं और बदले में BA-MA की डिग्री मिलती है, लेकिन यह सर्टिफिकेट रोजगार की गारंटी नहीं देता। प्रयागराज में राहुल का कार्यक्रम शाम 6 बजे होना था, लेकिन बाद में इसे 7 बजे कर दिया गया। इसमें 23 जिलों के छात्र बुलाए गए थे। कांग्रेस ने दावा किया था कि 2 लाख से ज्यादा छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। राहुल का कार्यक्रम खत्म होने के बाद सड़क पर युवाओं की भीड़ लग गई। सड़क पर कुछ युवा हाथ में तिरंगा लेकर भी चले। राहुल गांधी को सुनने के लिए यहां पर जो छात्र आए, वो ट्रकों और कंटेनर्स पर चढ़ गए। वहीं से उन्होंने राहुल गांधी को सुना। एक छात्र ने स्टेज पर आकर बताया कि 22 जुलाई को पटना में प्रदर्शन के दौरान हमारे ऊपर पुलिस वालों ने लाठीचार्ज किया। उनका टारगेट था सिर पर मारो या पैर में। आंसू गैस के गोले छोड़े। इनकी वर्दी में बैच भी नहीं थे। ये एंबुलेंस नहीं आने दे रहे थे। थ्री इडियट मूवी की तरह स्कूटी में अस्पताल ले गया। बाद में मुझे 15 घंटे थाने में बिठाया गया। हम पहले नौकरी के लिए आंदोलन करें, फिर पेपर के लिए करें, फिर रिजल्ट के लिए करें। अरे हम छात्र हैं या आंदोलनजीवी हैं। हम बिहारी हैं सत्ता पलट भी सकते हैं। राहुल बोले, मैं भी जब पहली बार बोला था, नर्वस था। आप यहां खुलकर बोले, घर की तरह। अडाणी 10 साल में दूसरे सबसे अमीर बन गए हैं। ये पूरा सिस्टम चला रहे हैं। वोट चोरी होती है, वोटर लिस्ट में ब्राजील की औरतें आती हैं। हर संस्था में ये आरएसएस के प्रचारक रख रहे हैं। यूनिवर्सिटी कॉलेज में प्रचारक, पैरा मिलिट्री में प्रचारक। मोदी, भागवत, शाह और अडाणी जी के सिस्टम ने आप पर आक्रमण किया है। इस अंधेरे में आप लोगों ने लाइट जला दी। आपने वो करा जो आपके माता पिता नहीं कर पाए। वो अपने डर का सामना नहीं कर पाए, लेकिन युवाओं ने अपने डर का सामना किया और देश को बदल दिया। आपने अपनी आवाज रखी नफरत के साथ नहीं, मोहब्बत के साथ। राहुल बोले- आप पढ़ाई में पैसा खर्च करते हैं, लेकिन देश में नौकरी के दरवाजे बंद पड़े हैं। आपको मेड इन चाइना, मेड इन कोरिया दिखेगा, लेकिन मेड इन इंडिया नहीं दिखेगा। जो छोटे बिजनेसमैन रोजगार दिलाते थे, वो बंद हो गए। स्टार्टअप इंडिया कहां चला गया। हिंदुस्तान के बैंक आपको एक रुपया नही देंगे, अंबानी-अडाणी को लाखों करोड रुपए देंगे। छोटे व्यापारियों को बैंक लोन नहीं मिलता।

अतीक की कब्र...

हाईकोर्ट से पैरोल मिलने के बाद अली झांसी जेल और उमर लखनऊ जेल से प्रयागराज पहुंचे। दोनों को आखिरी वक्त में पुलिस वैन से बाहर निकाला गया। बाहर आते ही दोनों भाई एक-दूसरे से गले मिले। इसके बाद मस्जिद में नमाज पढ़ी और अबान को मिट्टी दी। पुलिस ने सिर्फ परिवार और रिश्तेदारों को कब्रिस्तान में जाने की अनुमति दी। अली और उमर ने परिवार से मुलाकात की। हाईकोर्ट ने पैरोल देते समय दोनों को सिर्फ भाई अहजम और बुआ से मिलने की अनुमति दी थी।

अमरनाथ यात्रा ...

23 मई को BSF के जवानों ने जो तस्वीर जारी की थी, उसमें शिवलिंग का आकार करीब 7 फीट था। 29 जून को पहली पूजा के दिन भी हिमलिंग की ऊंचाई 5 फीट से ज्यादा थी। 6 जुलाई को सामने आई तस्वीर में हिमलिंग लगभग 90% गायब हो गया था। फिर 7 जुलाई को हिमलिंग पूरी तरह से गायब हो गया। हालांकि इसके बावजूद यात्रा जारी रही। अमरनाथ का हिम शिवलिंग किसी बर्फ के ब्लॉक को तराशकर नहीं बनाया जाता, बल्कि यह प्राकृतिक आइस स्टैलेग्माइट है। जैसे चूना-पत्थर की गुफाओं में जमीन से खनिज जमा होकर स्टैलेग्माइट बनते हैं, उसी तरह अमरनाथ गुफा में छत से टपकने वाला पानी जमकर बर्फ का शिवलिंग बनाता है। इसका आकार हर साल मौसम, तापमान और पानी की उपलब्धता के अनुसार अलग-अलग होता है। यही इसकी सबसे अनोखी विशेषता है। अमरनाथ यात्रा दो रास्तों से की जाती है। पारंपरिक रास्ता 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम से है।

वादा याद दिलाया, राज्य के सबसे बड़े टैक्स पेयर, पिछले साल 24 करोड़ चुकाया

ऋषभ पंत को उत्तराखंड में जमीन दिलाएगी सरकार

अपील

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत इस समय श्रीलंका दौरे पर प्रैक्टिस मैच खेल रहे हैं। हालांकि, मैच से इतर वे जमीन खरीदने को लेकर भी परेशान हैं। पंत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से जमीन खरीदने में मदद करने की अपील की है। उन्होंने लिखा- दिल्ली से उत्तराखंड शिफ्ट होकर अपने गृहराज्य में घर बनाना चाहता हूं। मैं 3 साल से परेशान हूं, लेकिन अब तक जमीन नहीं मिल पाई है। पंत फाइनेंशियल ईयर 2025-26 के लिए उत्तराखंड में सबसे ज्यादा टैक्स देने वाले व्यक्ति हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने 23.84 करोड़ रुपए का इनकम टैक्स भरा था। मैं उत्तराखंड में लोगों की मदद करने के लिए अपने मूल स्थान पर वापस जाना चाहता हूं। मैं अपने पहाड़ी लोगों के पास लौटना चाहता हूं।

ऋषभ पंत ने सीएम पुष्कर धामी से जमीन खरीदने में मदद करने की अपील की थी।

पंत ने एक्स पर लिखा, हैलो सर, आप कैसे हैं? उत्तराखंड का होने के नाते मुझे बहुत समय हो गया है। मैं दिल्ली से उत्तराखंड शिफ्ट होने के लिए जमीन खरीदने की कोशिश कर रहा हूं, लेकिन मुझे नहीं मिल रही। मुझे अपना उत्तराखंड बहुत पसंद है। मेरी आपसे रिक्वेस्ट है कि प्लीज जमीन खरीदने में मेरी मदद करें।

रुड़की में हुआ जन्म, दिल्ली से शुरू किया प्रोफेशनल सफर

पंत का जन्म उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के रुड़की में हुआ था। उन्होंने अपने क्रिकेट का सफर रुड़की से शुरू किया और प्रोफेशनली खेल को आगे बढ़ाने के लिए दिल्ली चले गए।

वे घरेलू क्रिकेट में दिल्ली को रिप्रेजेंट करते हैं।

अगला आईपीएल सीजन दिल्ली से खेलते नजर आएंगे

पंत ने IPL में अब तक 139 मैचों में 3,865 रन बनाए हैं। पंत 2016 से 2024 तक 9 सीजन दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेले। हालांकि, 2025 मेगा ऑक्शन से पहले फ्रेंचाइजी के साथ मतभेद के बाद उन्हें रिलीज कर दिया गया था। इसके बाद वे 2025 और 2026 सीजन में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेले। अब 2027 सीजन में पंत एक बार फिर दिल्ली कैपिटल्स की जर्सी में नजर आएंगे।

आशीष यादव ने यू20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सिल्वर जीता

आशीष यादव ने यू20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सिल्वर जीता

नई दिल्ली, एजेंसी

आशीष यादव ने यूजीन में चल रही अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के तीसरे दिन मेंस जेवलिन थ्रो इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। भारत के युवा एथलीटआशीष ने तीसरे राउंड में 74.09 मीटर का थ्रो किया, जिससे उन्हें सिल्वर मिला। इसी फाइनल में शामिल दूसरे भारतीय टी. धरनिधरन 72.35 मीटर के थ्रो के साथ छठे स्थान पर रहे। 19 साल के आशीष इस इवेंट में मेडल जीतने वाले नीरज चोपड़ा के बाद दूसरे भारतीय बन गए हैं। दो बार के ओलिंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने 2016 में पोलैंड में हुई चैंपियनशिप में गोल्ड जीता था।

नीरज ने उसी स्पर्धा में 86.48 मीटर का थ्रो किया था, जो अब भी वर्ल्ड जूनियर रिकॉर्ड है। गोल्ड मेडल साउथ अफ्रीका के जान-हेन्ड्रिक हेमन्स ने जीता। उन्होंने अपने छठे और आखिरी अटेम्प्ट में 80.50 मीटर भाला फेंका। हेमन्स का यह थ्रो इस सीजन का U20 वर्ल्ड लीड प्रदर्शन रहा। भारत की पूजा ने चैंपियनशिप में विमेंस हाई जंप के फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने क्वालिफिकेशन में 1.79 मीटर की ऊंचाई पहले ही प्रयास में पार की। अब पूजा 10 अगस्त को भारतीय समानुसार रात 1 बजे होने वाले फाइनल में मेडल के लिए चुनौती पेश करेंगी। गोल्ड मेडल साउथ अफ्रीका के जान-हेन्ड्रिक हेमन्स ने जीता। उन्होंने अपने छठे और आखिरी अटेम्प्ट में 80.50 मीटर भाला फेंका। हेमन्स का यह थ्रो इस सीजन का U20 वर्ल्ड लीड प्रदर्शन रहा।

भारत-श्रीलंका टेस्ट मैच में दर्शकों को फ्री इंट्री

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड का फैसला, 15 अगस्त से गॉल में पहला मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज में दर्शकों को फ्री इंट्री मिलेगी। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने नोटिफिकेशन जारी कर इसका ऐलान किया है। भारत इस सीरीज में दो टेस्ट मैच खेलेगा। पहला मुकाबला 15 अगस्त से गॉल में, जबकि दूसरा मैच कोलंबो में 23 अगस्त से खेला जाएगा।

गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में दर्शकों को गेट नंबर-4 से फ्री इंट्री मिलेगी। कोलंबो के SSC मैदान में गेट नंबर 3, 4, 5 और 7 से बिना टिकट एंट्री दी जाएगी।

बोर्ड ने दर्शकों से अपील की है कि बड़ी संख्या में मैच देखने आएं। उपमहाद्वीप में पिछले कुछ सालों में दर्शक टेस्ट मैच देखने स्टेडियम नहीं आ रहे। श्रीलंका में भारत के पिछले दौरे और इसी साल भारत-अफगानिस्तान टेस्ट में भी भीड़ नहीं पहुंची थी। इसी वजह से श्रीलंका बोर्ड ने यह पहल की है।

भारत फिलहाल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) पॉइंट्स टेबल में पांचवें स्थान पर है। श्रीलंका छठे नंबर पर है। WTC के लिहाज से दोनों टीमों के लिए यह सीरीज जीतना जरुरी है।

ऑस्ट्रेलियाई प्लेयर्स का आईपीएल 2027 खेलना मुश्किल

20 टेस्ट समेत 34 इंटरनेशनल मैच का शेड्यूल, कोच मैकडोनाल्ड बोले- जरूरी हुआ तो मुश्किल फैसले लेंगे

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2027 का सीजन मुश्किल में पड़ सकता है। टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने संकेत दिए हैं कि अगले 12 महीनों में टीम के बेहद व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए प्रमुख टेस्ट खिलाड़ियों को IPL में खेलने की अनुमति देने को लेकर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को कठिन फैसले लेने पड़ सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया को आने वाले एक साल में 20 टेस्ट सहित कुल 34 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने हैं। ऐसे में खिलाड़ियों के लगातार क्रिकेट खेलने से उनके कार्यभार और फिटनेस पर पड़ने वाले असर को लेकर टीम प्रबंधन चिंतित है। मैकडोनाल्ड के मुताबिक, खिलाड़ियों के लिए लगातार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बीच पर्याप्त आराम बेहद जरूरी है। खासकर टेस्ट क्रिकेट में लंबे समय तक मैदान पर रहने और लगातार यात्राओं के कारण खिलाड़ियों पर शारीरिक और मानसिक दबाव बढ़ सकता है। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम का प्रबंधन आगामी कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों के कार्यभार की समीक्षा कर सकता है। एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने 2023 का उदाहरण देते हुए बताया कि उस समय ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख खिलाड़ियों पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और ट्रेविस हेड ने IPL में हिस्सा नहीं लिया था। इन खिलाड़ियों ने उस अवधि में आराम को प्राथमिकता दी थी। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट और सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। ऑस्ट्रेलिया ने उस दौर में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीता, एशेज सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ मजबूत प्रदर्शन किया और वनडे वर्ल्ड कप भी अपने नाम किया। मैकडोनाल्ड के मुताबिक, यह उदाहरण बताता है कि बड़े टूर्नामेंटों और टेस्ट सीरीज से पहले खिलाड़ियों को पर्याप्त आराम देना टीम के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है।

भारत दौरे के बाद होगा बड़ा फैसला

कोच ने कहा कि IPL को लेकर कोई फैसला अभी नहीं लिया जाएगा। खिलाड़ियों की फिटनेस, गेंदबाजी का वर्कलोड और मानसिक थकान हर टेस्ट के बाद आंकी जाएगी। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अभी यह नहीं कहा जा सकता कि न्यूजीलैंड सीरीज के चौथे टेस्ट या भारत दौरे के बाद पैट कमिंस या मिचेल स्टार्क की स्थिति क्या होगी। इसलिए फैसला समय आने पर ही लिया जाएगा।

> *ऑस्ट्रेलिया अगले एक साल में बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ कुल 20 टेस्ट खेलेगा। इसके अलावा जिम्बाब्वे, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ व्हाइट बॉल सीरीज भी होगी। अगर टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचती है तो एक टेस्ट और जुड़ जाएगा। इसके बाद जून-जुलाई 2027 में इंग्लैंड में एशेज और फिर अक्टूबर-नवंबर में वनडे वर्ल्ड कप खेला जाएगा।*

जून-जुलाई 2027 में इंग्लैंड में एशेज ट्रॉफी खेली जाएगी।

आईपीएल को नहीं किया खारिज

मैकडोनाल्ड ने कहा कि IPL ऑस्ट्रेलिया के कई खिलाड़ियों के विकास और तैयारी का अहम हिस्सा है। दुनिया की बेस्ट टी-20 लीग में खेलने से खिलाड़ियों को फायदा मिलता है। शुरुआत यही होगी कि खिलाड़ी IPL खेल सकते हैं। बाद में परिस्थितियों के हिसाब से फैसला लिया जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम मैनेजमेंट की सबसे बड़ी चिंता तेज गेंदबाज पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड का वर्कलोड है। तीनों लगातार टेस्ट क्रिकेट खेलेंगे और एशेज भी सामने होगी। मैकडोनाल्ड ने कहा कि खिलाड़ियों के शरीर को आराम देना भी उतना ही जरूरी है।

मनोरंजन

बिलखकर रो पड़े प्रदीप रावत के बेटे

कहा- हाथ-पैर कांप रहे हैं, सलमान से मिलने की इच्छा जताई

मुंबई। मुंबई में दिवंगत अभिनेता प्रदीप रावत की प्रार्थना सभा हुई। इसमें परिवार के साथ फिल्म जगत के दोस्त और साथी कलाकार शामिल हुए। प्रदीप रावत का 74 साल की उम्र में ब्लड कैंसर से निधन हुआ था। प्रार्थना सभा में उनके बेटे विक्रमादित्य रावत ने पिता को याद करते हुए भावुक श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि वे अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाएंगे और उनका नाम रोशन करेंगे। इस दौरान पिता को याद कर विक्रमादित्य बिलख कर रो पड़े और कहा, 'आपका यहां आने के लिए शुक्रिया, मैं बात करने की स्थिति में नहीं हूं। बहुत सारी यादें हैं। मेरे हाथ-पैर कांप रहे हैं।' प्रार्थना सभा के दौरान एएनआई से बात करते हुए विक्रमादित्य रावत अपने पिता को याद कर भावुक हो गए। उन्होंने कहा, "सबसे पहले मैं कहना चाहता हूं कि मैं अपने पिता के बारे में जितने भी शब्द बोलूं, वे हमेशा कम पड़ेंगे। वे सम्मान और इज्जत वाले इंसान थे।"

विवाद के बाद कंगना के जेन-जी पर बदले बोल

कहा- ये सरकार की ताकत, इन पर गर्व, कुछ इनका नाम खराब कर रहे हैं, पहले कहा था गटरछाप

मुंबई। प्रोटेस्ट के बाद स्टूडेंट और जेन-जी पर निशाना साध रहीं एक्ट्रेस और सांसद कंगना रनोट के बोल बदल चुके हैं। एक्ट्रेस ने नए बयान में इस जनरेशन की सराहना की और कहा कि ये भी सरकार का ही हिस्सा हैं। हाल ही में संसद के बाहर कंगना से पूछा गया था कि राहुल गांधी कह रहे हैं कि सरकार को जेन-जी की बात सुननी चाहिए। इस पर उन्होंने कहा, जेन-जी सरकार का हिस्सा हैं। उन्हीं का तो योगदान है, जो हमारी सरकार इतने सालों से सत्ता में है।

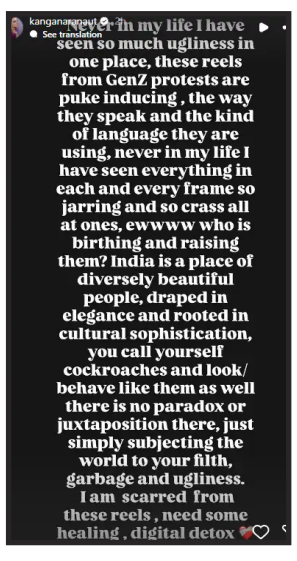

जेन-जी का ही जनादेश है। ऐसा जरूरी नहीं है कि प्रोटेस्ट में 10-15 गाली देने वाले ही जेन-जी हैं।

पहले नई जनरेशन को कहा था गटरछाप

अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनोट ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के नेतृत्व में हुए छात्र आंदोलन पर कहा था कि जेन-जी की रील्स देखकर उन्हें उल्टी आने जैसा महसूस होता है। कंगना ने प्रदर्शनकारियों की भाषा और व्यवहार पर सवाल उठाते हुए उन्हें 'कॉकरोच' के प्रतीक का इस्तेमाल करने पर भी खरी-खोटी सुनाई है। कंगना रनोट ने इंस्टाग्राम पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए लिखा कि प्रदर्शनकारियों के बोलने का तरीका और भाषा बेहद खराब है। उन्होंने लिखा, मैंने अपनी जिंदगी में एक साथ किसी फ्रेम में इतना भद्दा कंटेंट नहीं देखा है। इन्हें कौन पैदा कर रहा है।

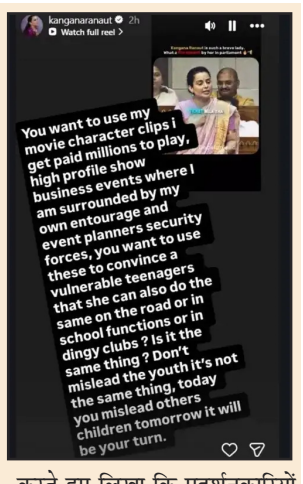

> आगे कंगना ने कहा, 'आज जो झारखंड में बच्चे बैठे हैं और जो इतने अच्छे से प्रोटेस्ट कर रहे हैं और जो युवा मेडल लेकर आए, जिन्होंने मेडल प्रधानमंत्री जी को समर्पित किए हैं। ये कुछ मुट्ठीभर लोग हैं, जो जेन-जी का नाम खराब कर रहे हैं। जेन-जी जो हैं, वो हमारी सबसे बड़ी ताकत है, हमें गर्व है अपने जेन-जी पर।'

मुंबई शूट में बदला फिल्म का विजुअल स्केल, तैयार हुआ जेल का विशाल सेट

इंटरनेशनल माफिया वर्ल्ड पर है अक्षय-अनीस की नई फिल्म

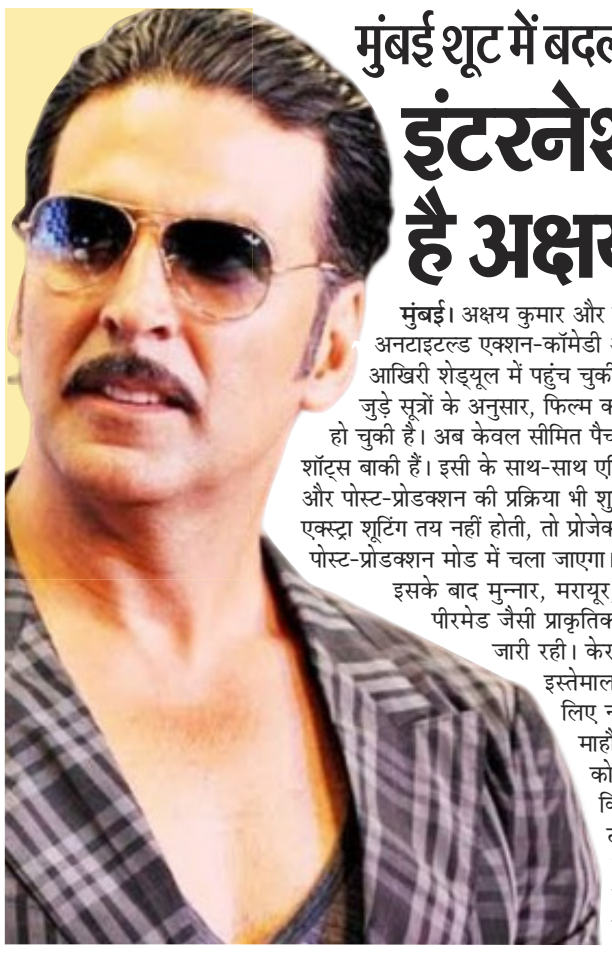

मुंबई। अक्षय कुमार और निर्देशक अनीस बज्मी की अनटाइटल्ड एक्शन-कॉमेडी अब अपनी मेकिंग के आखिरी शेड्यूल में पहुंच चुकी है। इसके प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों के अनुसार, फिल्म की लगभग पूरी शूटिंग पूरी हो चुकी है। अब केवल सीमित पैचवर्क तथा कुछ कनेक्टिंग शॉट्स बाकी हैं। इसी के साथ-साथ एडिटिंग, बैकग्राउंड स्कोर और पोस्ट-प्रोडक्शन की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। यदि कोई एक्स्ट्रा शूटिंग तय नहीं होती, तो प्रोजेक्ट जल्द ही पूरी तरह पोस्ट-प्रोडक्शन मोड में चला जाएगा।

इसके बाद मुन्नार, मरायूर, कुट्टिक्कानम और पीरमेड जैसी प्राकृतिक लोकेशनों पर शूटिंग जारी रही। केरल की लोकेशनों का इस्तेमाल सिर्फ सीन की सुंदरता के लिए नहीं, बल्कि कहानी के माहौल और किरदारों की यात्रा को प्रभावी बनाने के लिए किया गया है। सिनेमैटोग्राफी टीम ने शूट के दौरान नैचुरल लाइट और रियल लोकेशन का अधिकतम उपयोग किया है।

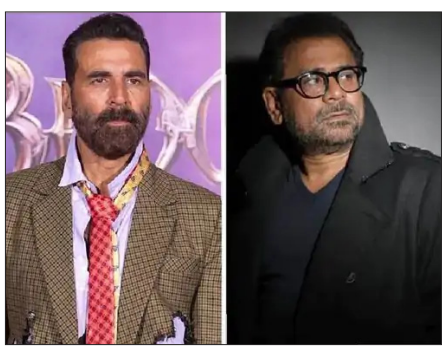

> फिल्म के मुंबई में हुए शूट का सबसे बड़ा आकर्षण विशाल जेल का सेट रहा। यहां कई कॉमिक फाइट सीक्वेंस फिल्माए गए, जिनमें विजय राज की भूमिका बेहद अहम है। उनका किरदार किसी कॉप का नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े एक अनुभवी व्यक्ति का है। उनके आसपास तैयार किए गए कॉमिक सीन फिल्म के प्रमुख आकर्षणों में शामिल होंगे।

अक्षय ने शूट किए हाई-स्पीड बाइक स्टंट, मुंबई की बारिश भी बनी चुनौती

अक्षय के हिस्से में मार्केट चेज, हाई-स्पीड बाइक मूवमेंट और बड़े आउटडोर एक्शन सीक्वेंस हैं। हालिया शूट में वह काले पठानी लुक में नजर आए। सीन्स को अधिक रियल बनाने के लिए हैंडहेल्ड कैमरा और लंबे ट्रैक शॉट्स का इस्तेमाल किया गया। वहीं मुंबई शेड्यूल के दौरान लगातार बारिश के कारण जेल सीक्वेंस की शूटिंग एक दिन बढ़ानी पड़ी और सुरक्षा व तकनीकी जरूरतों के अनुसार कैमरा, लाइटिंग और स्टंट प्लान में बदलाव किए गए।

सलमान के गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर पुलिसकर्मी की मौत

लॉरेंस गैंग से सुरक्षा के लिए तैनात थे, ऑन ड्यूटी गिरे, डॉक्टर्स ने मृत घोषित किया

मुंबई। बॉलीवुड स्टार सलमान खान के घर के बाहर तैनात पुलिसकर्मी की मौत हो गई है। रिपोर्ट में इसकी वजह हार्ट अटैक बताई जा रही है। मुंबई पुलिस के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि कॉन्स्टेबल गणेश सलमान खान के घर के बाहर तैनात थे। उनकी उम्र 41 साल थी। वे उन पुलिसकर्मियों में शामिल थे, जो लॉरेंस बिश्नोई से सलमान की सुरक्षा के लिए तैनात किए गए थे। कॉन्स्टेबल गणेश अचानक बीमार होकर गिर पड़े। मौके पर मौजूद दूसरे पुलिसकर्मी उन्हें पास के अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि उनकी मौत हार्ट अटैक से हुई। सलमान खान के घर पर अभी निगरानी रखी जा रही है और उन्हें पुलिस सुरक्षा दी गई है। 2023 में लॉरेंस गैंग से धमकी मिलने के बाद ही सलमान की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। उन्हें महाराष्ट्र सरकार की तरफ से Y+ कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई है। 11 जवान हर समय साथ रहते हैं, इसमें एक या दो कमांडो और 2 PSO भी शामिल होते हैं। सलमान की गाड़ी के आगे और पीछे एस्कॉर्ट करने के लिए दो गाड़ियां हमेशा रहती हैं। इसके साथ-साथ सलमान की गाड़ी भी पूरी तरह बुलेटप्रूफ है। गैलेक्सी अपार्टमेंट पर हुई फायरिंग के बाद जनवरी में सलमान के अपार्टमेंट की बालकनी बुलेटप्रूफ कर दी गई है। साथ ही हाई रेजोल्यूशन कैमरे भी चारों तरफ लगाए गए हैं। बाद की जांच में सामने आया कि फायरिंग का मकसद सलमान खान को डराना था। यह हमला लॉरेंस गैंग के कहने पर किया गया था। लॉरेंस 2022 में पंजाबी स्टार सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद चर्चा में आया था। उसने 'हम साथ-साथ हैं' की शूटिंग के दौरान काले हिरण के शिकार मामले में कथित तौर पर शामिल होने के लिए सलमान को खुलेआम जान से मारने की धमकी दी है। 14 अप्रैल 2024 को दो बाइक सवार लोगों ने बांद्रा स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर फायरिंग की थी। फायरिंग के वक्त सलमान अपने घर में ही थे। घटना के बाद सलमान के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी।

पाकिस्तान-सऊदी-तुर्किये के बीच रक्षा समझौता साइन

एक पर हमला तीनों पर माना जाएगा, साझा ट्रेनिंग और सुरक्षा सहयोग बढ़ेगा

साइन

रियाद, एजेंसी

पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने शुक्रवार को सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए डिफेंस पैक्ट साइन किया है। इसे 'मक्का जॉइंट डिफेंस पैक्ट' कहा जा रहा है। समझौते के मुताबिक, अगर तीनों में से किसी एक देश पर हमला होता है, तो इसे तीनों देशों पर अटैक माना जाएगा। समझौते के तहत तीनों देश आपस में रक्षा सहयोग बढ़ाएंगे। इसके लिए संयुक्त सैन्य ट्रेनिंग, सुरक्षा से जुड़ी जानकारी साझा करने और सुरक्षा तालमेल बढ़ाने पर काम किया जाएगा। साथ ही तीनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग भी मजबूत किया जाएगा। यह समझौता ऐसे समय हुआ है, जब मिडिल ईस्ट में इजराइल और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ा है। पाकिस्तान फरवरी

से अफगानिस्तान के साथ बॉर्डर संघर्ष में उलझा है। मई 2025 में पाकिस्तान और भारत के बीच भी कई दिनों तक फायरिंग हुई थी। वहीं, सऊदी अरब पर ईरान और उसके समर्थक गुटों की ओर से हमले होते रहे हैं। तुर्किये भी लंबे समय से अपने देश के अंदर और बाहर कुर्द हथियारबंद गुटों से लड़ता रहा है। इजराइल के साथ उसका तनाव भी बढ़ा है। ऐसे में तीनों देशों ने अपनी अलग-अलग सैन्य ताकत को एक साथ लाकर किसी भी खतरे के खिलाफ एक-दूसरे को मजबूत करने की कोशिश की है। अल जजीरा के मुताबिक, मक्का जॉइंट डिफेंस पैक्ट का मकसद तीनों देशों के सामने आने वाले किसी भी खतरे को रोकना है। लेकिन समझौते की असली ताकत इस बात पर निर्भर करेगी कि इसके सदस्य एक-दूसरे की मदद करने के लिए कितनी दूर तक जाने को तैयार हैं। किलोवेन ग्रुप एडवाइजरी फर्म के चेयरमैन हार्लन

पाकिस्तान-सऊदी-तुर्किये की सैन्य ताकत साथ आई

इस समझौते में तीनों देशों की अलग-अलग सैन्य ताकत साथ जुड़ती है।

पाकिस्तान के पास युद्ध का लंबा अनुभव रखने वाली सेना, बड़ी मात्रा में हथियार और परमाणु हथियार हैं। पाकिस्तान मुस्लिम बहुल देशों में इकलौता ऐसा देश है जिसके पास परमाणु हथियार हैं।

सऊदी अरब के पास बड़ी आर्थिक ताकत है, जो इस तरह के सैन्य सहयोग को पैसा और दूसरी मदद दे सकती है।

तुर्किये NATO का अहम सदस्य है। उसके पास आधुनिक ड्रोन तकनीक और मजबूत डिफेंस इंडस्ट्री है।

अमेरिका पर भरोसा कम होने से बढ़ी जरूरत

नए सैन्य गठजोड़ की जरूरत ऐसे समय में और बढ़ी है, जब अमेरिका की सुरक्षा नीति को लेकर दूसरे देशों में सवाल उठ रहे हैं। अल जजीरा के मुताबिक, सऊदी अरब और कुछ हद तक तुर्किये लंबे समय से अमेरिका को अपना अहम सुरक्षा सहयोगी मानते रहे हैं। लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में अमेरिका की विदेश नीति को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच कई देश दूसरे विकल्प तलाश रहे हैं। ट्रम्प प्रशासन ने साफ कहा है कि उसके सहयोगियों को अपनी सुरक्षा के लिए खुद ज्यादा जिम्मेदारी उठानी होगी। मिडिल ईस्ट में यह चिंता भी है कि अमेरिका की विदेश नीति में इजराइल को सबसे ज्यादा प्राथमिकता मिलती है। ऐसे में सऊदी अरब और दूसरे देशों के लिए अपनी सुरक्षा के नए रास्ते तलाशना जरूरी माना जा रहा है।

तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप अर्दोआन, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मक्का में संयुक्त रक्षा सम्मेलन के दौरान समझौते पर साइन किया।

उलमैन ने अल जजीरा से कहा कि माना जा रहा है कि मक्का घोषणा में यह बात हो सकती है कि एक देश पर हमला सभी पर हमला माना जाएगा। लेकिन इसमें 'होना चाहिए' और 'जरूरी तौर पर होगा' के बीच बड़ा फर्क है।

सोने की कीमत 5-दिन में ₹7,064 बढ़कर ₹1.49 लाख

चांदी ₹14,094 महंगी हुई, एक किलो की कीमत ₹2.31 लाख पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी की कीमत में इस हफ्ते शानदार तेजी देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, इस हफ्ते के पांच कारोबारी दिन में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 7,064 बढ़कर 1.49 लाख और एक किलो चांदी की कीमत 14,094 बढ़कर 2.31 लाख पर पहुंच गई है। पांच दिन पहले यानी सोमवार को सोना की कीमत 1.42 लाख और चांदी के दाम 2.17 लाख पर थे। वहीं इस हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन, शुक्रवार को सोने के दाम 1,181 और चांदी की कीमत 5,707 बढ़ी है। इससे एक दिन पहले गुरुवार को सोना की कीमत 1.48 लाख और चांदी के दाम 2.25 लाख पर थे। इंडस्ट्रियल मांग में उछाल: चांदी की कीमतों में हुई तेज बढ़त का एक बड़ा कारण रिन्यूएबल एनर्जी (सोलर पैनल) और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर से आने वाली भारी इंडस्ट्रियल डिमांड है।

इस साल सोने में अब तक तेजी रही इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 16 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.49 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी की कीमत में इस साल अब तक 1 हजार रुपए की तेजी है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.31 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

फास्ट न्यूज

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा एलपीजी सप्लायर बना

नई दिल्ली। अमेरिका अब भारत का सबसे बड़ा LPG सप्लायर बन गया है। होर्मुज संकट के बाद भारत की जरूरत की लगभग 67% कुकिंग गैस यानी LPG अमेरिका से ही आ रही है। वहीं इक्विरस सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका कतर को पीछे छोड़कर भारत का सबसे बड़ा लिक्विफाइड नेचुरल गैस (LNG) सप्लायर भी हो गया है।

मैगी विवाद में दुकानदारों पर लगे सभी क्रिमिनल केस हटे

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने साल 2015 के मैगी विवाद में दुकानदारों के खिलाफ दर्ज सभी केस रद्द कर दिए हैं। यह सभी क्रिमिनल केस मैगी में लेड और मोनोसोडियम ग्लूटामेट की ज्यादा मात्रा पाए जाने के आरोपों के बाद दर्ज किए गए थे। जस्टिस मधु जैन की बेंच ने कहा कि जब सुप्रीम कोर्ट और सेंट्रल फूड टेक्नोलॉजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (CFTRI) की जांच में मैगी के सैंपल सुरक्षित पाए जा चुके हैं, तो दुकानदारों पर मुकदमा चलाना उनके साथ अन्याय होगा। कोर्ट ने इन याचिकाओं का निपटारा करते हुए कानूनी कार्यवाही को समाप्त कर दिया है।

आम ग्राहकों के लिए यूपीआई फ्री ही रहेगा

नई दिल्ली। भारत में रोजाना फल-सब्जी खरीदने से लेकर कैब के किराए तक के लिए करोड़ों लोग यूपीआई (UPI) का इस्तेमाल करते हैं। हाल ही में संसद में पेश हुए नए बिल के बाद एक बहस शुरू हो गई है कि क्या भविष्य में यूपीआई पेमेंट करने पर ग्राहकों को शुल्क देना होगा। इस पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और RBI गवर्नर संजय मल्होत्रा ने स्थिति साफ की है। वित्त मंत्री ने कहा है।

फेसबुक-इंस्टाग्राम की कानूनी सुरक्षा वापस ले सकती है सरकार

रिकमेंडेशन और पैसों के बदले कंटेंट प्रमोशन बड़ा मुद्दा, मेटा को इंसानी निगरानी बढ़ाने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी

सोशल मीडिया कंपनी मेटा और भारत सरकार के बीच चल रही बैठकों के बाद एक बड़ा कानूनी और तकनीकी सवाल खड़ा हो गया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक मुख्य मुद्दा यह है कि क्या मेटा के रिकमेंडेशन सिस्टम और पैसों के बदले कंटेंट का प्रमोशन उसे एक साधारण प्लेटफॉर्म बनाए रखते हैं या फिर वह पब्लिशर की भूमिका में आ जाती है। यदि कोई प्लेटफॉर्म यह खुद तय करता है कि किस यूजर को क्या कंटेंट दिखाया जाएगा और पैसे लेकर कंटेंट को प्रमोट करता है, तो उसे पब्लिशर माना जा सकता है। ऐसा होने पर कंपनी को अपने प्लेटफॉर्म पर पोस्ट होने वाले कंटेंट की पूरी जिम्मेदारी लेनी होगी और IT एक्ट के तहत मिलने वाली कानूनी छूट यानी सेफ हार्बर स्टेटस गंवाना पड़ सकता है। IT एक्ट की धारा 79 सोशल मीडिया कंपनियों को 'सेफ हार्बर' यानी कानूनी सुरक्षा कवच देती है। इसके तहत किसी यूजर द्वारा पोस्ट की गई विवादित या गलत जानकारी के लिए प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक या इंस्टाग्राम को सीधे जिम्मेदार नहीं ठहराया जाता। हालांकि, यह छूट तभी तक मिलती है जब तक कंपनी पूरी तरह 'ड्यू डिलिजेंस' यानी कानूनी नियमों और सावधानियों का पालन करे। सरकारी सूत्रों का कहना है कि अगर प्लेटफॉर्म खुद एल्गोरिदम के जरिए यह तय कर रहा है कि क्या कंटेंट किसको दिखेगा, तो यह पब्लिशिंग यानी प्रकाशन के दायरे में आता है।

इमरजेंसी फंड बनाने के लिए काम आएगा 3-6-9 रूल

सैलरीड पर्सन 3 से 6 और फ्रीलांसर्स 9 से 12 महीने का खर्च बचाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

किसी भी अचानक आई मुसीबत जैसे मेडिकल इमरजेंसी, कार खराबी या नौकरी जाने की स्थिति में आपकी रोजमर्रा की लाइफस्टाइल और पुरानी सेविंग्स प्रभावित न हों, इसके लिए 'इमरजेंसी फंड' होना बहुत जरूरी है। फाइनेंशियल एक्सपर्ट्स का मानना है कि सही फाइनेंशियल प्लानिंग वही है, जिसमें इमरजेंसी फंड अलग से रखा जाए, ताकि जरूरत पड़ने पर मुख्य सेविंग्स पर असर न पड़े। टैक्स और फाइनेंशियल प्लेटफॉर्म 'क्लियर टैक्स' की रिपोर्ट के मुताबिक सैलरीड क्लास और इरेगुलर इनकम जैसे फ्रीलांसर्स वाले लोग इमरजेंसी फंड तैयार करने के लिए 3-6-9 रूल का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर एक बार में बड़ा फंड बनाना मुश्किल लग रहा है, तो छोटे टारगेट से शुरुआत करें। आप हर महीने 500 से 1,000 या अपनी क्षमतानुसार सेविंग शुरू कर सकते हैं। अपने बैंक अकाउंट से FD या लिक्विड म्यूचुअल फंड में ऑटो-डेबिट (SIP) लगा दें, ताकि हर महीने पैसा अपने आप कट जाए। ऑफिस बोनस, टैक्स रिफंड या साइड इनकम से मिले एक्स्ट्रा पैसे को सीधा इमरजेंसी फंड में डालें। महंगाई, लोन की किस्तें या जीवनशैली बदलने के साथ हर महीने का खर्च भी बदलता रहता है। इसलिए हर 6 महीने या एक साल में अपने खर्चों का दोबारा हिसाब लगाएं और उसके हिसाब से अपने इमरजेंसी फंड का टारगेट अपडेट करते रहें।

सरकार ने अरुणाचल की 27 जगह मैप में शामिल कीं

चीन की वजह से ऐसा किया, इसने कई बार भारतीय इलाकों के नाम बदले

टोक्यो, एजेंसी

केंद्र सरकार ने अरुणाचल प्रदेश की 27 जगहों और उनकी भौगोलिक विशेषताओं को आधिकारिक नक्शे पर दर्ज किया। यह कदम चीन की ओर से राज्य की जगहों के नाम बदलने की कोशिशों के बीच उठाया गया है। गृह मंत्रालय के मुताबिक, यह काम अरुणाचल प्रदेश सरकार से सलाह लेकर किया गया है। इसका मकसद इन जगहों की सही पहचान बताना और आम लोगों में जागरूकता बढ़ाना है। इन नामों को आधिकारिक मानचित्रों में शामिल करने का मकसद प्रशासन को बेहतर बनाना है। इससे सरकारी रिकॉर्ड में एकरूपता आएगी, अलग-अलग विभागों के बीच बेहतर तालमेल होगा और आपदा के समय मदद पहुंचाने में आसानी होगी। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि इन नामों के आधार पर लोगों के पासपोर्ट या दूसरे निजी दस्तावेजों में कोई बदलाव किया जाएगा। सरकार का मुख्य उद्देश्य इन क्षेत्रों की आधिकारिक पहचान तय करना और भारत के प्रशासनिक रिकॉर्ड में उन्हें शामिल करना है। चीन ने कई बार अरुणाचल प्रदेश की जगहों के चीनी नामों की सूची जारी करता रहा है। वह अरुणाचल प्रदेश को जांगनान कहता है। भारत ने चीन की इन कोशिशों को लगातार खारिज किया है। भारत का कहना है कि इनका भारत की राज्य पर संप्रभुता पर कोई असर नहीं पड़ता।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96

रूसी तेल खरीदने वाले 5 देशों पर कार्रवाई, 86 सांसदों ने पक्ष में वोट किया, 11 विरोध में

भारत पर 100% टैरिफ वाला बिल अमेरिकी सीनेट में पास

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी सीनेट ने 86-11 के बहुमत से भारत समेत 5 देशों पर 100% तक का टैरिफ लगाने वाला बिल पास कर दिया है। बिल के मुताबिक भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान पर 100% टैरिफ लगाया जा सकता है। यह बिल रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों पार्टियों के समर्थन से लाया गया। इसका मकसद रूस की तेल से होने वाली कमाई को कम करना है, ताकि उसकी युद्ध लड़ने की क्षमता कमजोर हो सके। 23 जुलाई को रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100% तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा गया था। बिल के शुरुआती मसौदे में 500% टैरिफ लगाने का प्रस्ताव था, लेकिन बाद में इसे घटाकर 100% कर दिया गया। हालांकि, अभी ये कानून नहीं बना है। अभी इसे अमेरिकी संसद के निचले सदन यानी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में भेजा जाएगा। अगर वहां भी बिल पास हो जाता है, तो इसे राष्ट्रपति ट्रम्प के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। उनकी मंजूरी मिलने के बाद ही यह कानून बनेगा। रूस से प्राकृतिक गैस खरीदने वाले चीन, फ्रांस, जापान, हंगरी और बेल्जियम को भी इसके दायरे में रखा गया है। हालांकि, जो देश रूस की कुल गैस निर्यात का 15% से कम आयात करते हैं और अपनी निर्भरता घटाने की दिशा में कदम उठा रहे हैं, उन्हें छूट मिल सकती है। सीनेट में पेश बिल के तहत 15 यूरोपीय देशों को प्रस्तावित 100% टैरिफ से छूट दी गई है। इन देशों को राहत इसलिए दी गई है, क्योंकि ये रूस से 15% से कम प्राकृतिक गैस खरीदते हैं और धीरे-धीरे उस पर अपनी निर्भरता भी कम कर रहे हैं। बिल में रूस के ऊर्जा उद्योग, वित्तीय संस्थानों, रक्षा औद्योगिक ढांचे, कारोबारियों और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तक पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है।

"हर घर तिरंगा केवल एक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और देश के गौरवशाली इतिहास से जन-जन को जोड़ने का माध्यम है।"
-योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

राष्ट्र प्रेम, राष्ट्र भक्ति, राष्ट्र गौरव का प्रतीक
हर घर तिरंगा अभियान के तहत
तिरंगा यात्रा
युवाओं के साथ
का
शुभारंभ
द्वारा
योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

हर घर तिरंगा अभियान
(9-17 अगस्त, 2026)
शौर्य, समर्पण और बलिदान को नमन
राष्ट्रधर्म सर्वप्रथम

तिरंगे के साथ सेल्फी लें और
www.harghartiranga.com
पर अपलोड करें,
अपने साथियों के साथ शेयर करें

गरिमामयी उपस्थिति

केशव प्रसाद मौर्य — उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
ब्रजेश पाठक — उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
पंकज चौधरी — राज्य मंत्री, वित्त, भारत सरकार
सुरेश कुमार खन्ना — मंत्री, वित्त एवं संसदीय कार्य, उत्तर प्रदेश
स्वतंत्र देव सिंह — मंत्री, जल शक्ति तथा बाढ़ नियंत्रण, उत्तर प्रदेश
असीम अरुण — राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण, उत्तर प्रदेश
जयेन्द्र प्रताप सिंह राठौर — राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), सहकारिता, उत्तर प्रदेश
दयाशंकर सिंह — राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), परिवहन, उत्तर प्रदेश
सुषमा खर्कवाल — महापौर, लखनऊ
डॉ. दिनेश शर्मा — सदस्य, राज्य सभा
बृज लाल — सदस्य, राज्य सभा
संजय सेठ — सदस्य, राज्य सभा
इंजी. अवनीश कुमार सिंह — सदस्य, विधान परिषद
मुकेश शर्मा — सदस्य, विधान परिषद
रामचंद्र प्रधान — सदस्य, विधान परिषद
डॉ. लाल जी प्रसाद निर्मल — सदस्य, विधान परिषद
गोविन्द नारायण शुक्ल — सदस्य, विधान परिषद
पवन कुमार सिंह — सदस्य, विधान परिषद
जय देवी — विधायक, मलिहाबाद
डॉ. नीरज बोरा — विधायक, लखनऊ उत्तर
डॉ. राजेश्वर सिंह — विधायक, सरोजनी नगर
ओ. पी. श्रीवास्तव — विधायक, लखनऊ पूर्व
योगेश शुक्ला — विधायक, बक्शी का तालाब
अमरेश कुमार — विधायक, मोहनलालगंज
एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

9 अगस्त, 2026 प्रात: 8:45 बजे 5, कालिदास मार्ग से विधान भवन, लखनऊ

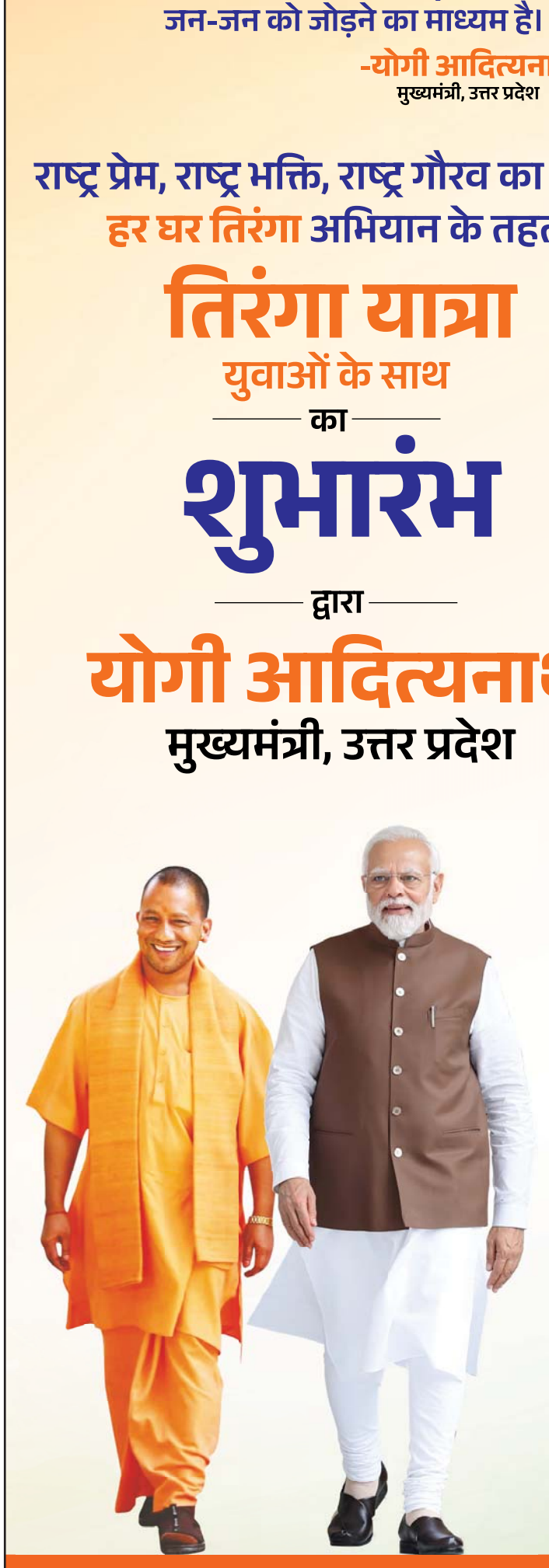

राष्ट्रभक्ति हमारी पहचान-तिरंगा हमारा अभिमान

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
लाइव प्रसारण DD NEWS & Youtube.com/DDNEWS